शर्मा हार्डओरेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 324 | गुवाहाटी | मंगलवार, 30 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एनएच-15 के उन्नयन से असम की कनेक्टिविटी में आएगा बड़ा बदलाव : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि केंद्र द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-15 के बैहाटा चारियाली-मिशन चारियाली-तेजपुर खंड के 15,431 करोड़ रुपए के विस्तार से राज्य में कनेक्टिविटी में काफी मजबूती आएगी, जिससे यात्रा तेज, सुरक्षित और अधिक सुगम हो जाएगी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री शर्मा ने महत्वाकांक्षी राजमार्ग परियोजना को असम के बुनियादी ढांचे के नेतृत्व वाले विकास में तेजी लाने और पूरे क्षेत्र में आर्थिक अवसरों तक पहुंच में सुधार करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मैं विकास की बात करता हूं, तो मेरा दृष्टिकोण ऐसी कनेक्टिविटी से होता है जो लोगों को अवसरों के करीब लाती है। एनएच-15 के बाईहाटा चारियाली-मिशन चारियाली-तेजपुर खंड का 15,431 करोड़ रुपए की लागत से किया गया विस्तार उस दिशा में एक और निर्णायक कदम है, जिससे यात्रा तेज, सुरक्षित और सुगम हो जाएगी। इस परियोजना से राज्य के प्रमुख परिवहन गलियारों में से एक, राष्ट्रीय राजमार्ग-15 के एक महत्वपूर्ण खंड को चौड़ा और उन्नत करके मध्य और ऊपरी असम के बीच सड़क संपर्क में सुधार होने की उम्मीद है। इस उन्नत राजमार्ग से क्षेत्र के महत्वपूर्ण वाणिज्यिक केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों और पर्यटन स्थलों तक बेहतर कनेक्टिविटी की भी उम्मीद है। यह परियोजना पूर्वोत्तर में राजमार्ग अवसंरचना के आधुनिकीकरण के लिए केंद्र के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, एक ऐसा क्षेत्र जिसने पिछले कुछ वर्षों में -शेष पृष्ठ दो पर

असम और अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ी

गृहमंत्री ने बाढ़ प्रभावित दोनों राज्यों के लिए केंद्रीय सहायता का आश्वासन दिया

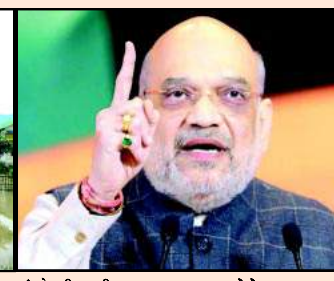

गुवाहाटी/इटानगर। मानसून की बारिश से आई भीषण बाढ़ ने असम और उससे सटे अरुणाचल प्रदेश में भारी तबाही मचाई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्थिति से निपटने के लिए केंद्र की ओर से हर संभव सहयोग और सहायता का आश्वासन दिया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने एक बयान में कहा कि राज्य के सात जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे 257 गांवों में रहने वाले 45,839 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने 12 राहत शिविर/केंद्र स्थापित किए हैं। एएसडीएमए ने कहा कि दिसंग नदी उफान पर थी और खतरे के स्तर से ऊपर बह रही थी। हालांकि किसी की मौत की खबर नहीं मिली, लेकिन धेमाजी से एक व्यक्ति लापता है। असम के ऊपरी जिले में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, जहां केमी नदी पर बना एक लोहे का पुल बह गया, जबकि एक रेलवे पुल आंशिक रूप से ढह गया, जिसके कारण पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) को इस मार्ग पर ट्रेन संचालन निलंबित करना पड़ा। एनएफआर ने एक बयान में कहा कि यह पुल, जिसका निर्माण 1965 में हुआ था और बाद में इसे ब्रॉड गेज में परिवर्तित कर दिया गया था, अच्छी और सुरक्षित स्थिति में था, लेकिन भारी बारिश के दौरान नदी के किनारे के एक बड़े हिस्से के बह जाने के कारण, इसका एक खंभा अस्थिर हो गया। बाढ़ ने जिले के विशाल भूभाग को जलमग्न कर दिया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। ऐसी खबरें हैं कि नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने के कारण कम से कम 15 लोग रेत के टीले पर फंस गए। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश पर, मंत्री केशब महंत और सुशांत बोरगोहाईं ने बाढ़ और -शेष पृष्ठ दो पर

अगले 20 वर्षों तक बीटीसी प्रमुख रहूंगा : हाग्रामा

कोकराझाड़ (हि.स.)। बीटीसी प्रमुख हाग्रामा मोहिलारी ने सोमवार को दावा किया कि वह अगले 20 वर्षों तक इस पद पर बने रहेंगे। उन्होंने यह बात मीडिया से बातचीत के दौरान कही। हाग्रामा मोहिलारी आज एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। श्रीरामपुर गेट पर कथित सिंडिकेट के आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त हुए मोहिलारी ने कहा कि उन्हें किसी भी सिंडिकेट की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में केवल यूपीपीएल अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो ही बता सकते हैं और वह स्वयं किसी सिंडिकेट से परिचित नहीं हैं। मोहिलारी ने प्रमोद बोड़ो के कार्यकाल में वन विभाग तथा वीसीडीसी सचिवों की नियुक्तियों -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने वन उत्पादों और खनिजों के लिए ई-ट्रांजिट परमिट प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के वन और खनिज संसाधनों से राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से किए जाने वाले उपायों की समीक्षा करने के लिए पर्यावरण एवं वन तथा वित्त विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। वित्त मंत्री जयंतामल्ल बरुआ ने बैठक का विवरण साझा करते हुए कहा कि चर्चा संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, राजस्व सृजन को मजबूत करने और नियामक निरीक्षण को बढ़ाने पर केंद्रित थी। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने वन उत्पादों और खनिजों के परिवहन में अधिक पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए ई-ट्रांजिट परमिट (ई-टीपी) प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। शर्मा ने जीएसटी चोरी पर अंकुश लगाने और वन एवं खनन क्षेत्रों -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो गुजर गया उसकी चिंता नहीं करनी चाहिए, न ही भविष्य के बारे में चिंतिंत होना चाहिए। समझदार लोग केवल वर्तमान में ही जीते हैं।

- **आचार्य चाणक्य**

डॉ. शर्मा ने आरजी बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पुनर्विकास कार्य की समीक्षा की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 29 जून को गुवाहाटी में चल रहे आरजी बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पुनर्विकास का निरीक्षण किया, जो राज्य में विश्व स्तरीय फुटबॉल स्टेडियम और आधुनिक बहु-खेल अवसंरचना बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई 765 करोड़ रुपए की एक प्रमुख परियोजना है। निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री ने निर्माण की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि परियोजना उच्चतम गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हो जाए। इस महत्वाकांक्षी पुनर्विकास परियोजना से फुटबॉल और अन्य खेलों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराकर असम के खेल -शेष पृष्ठ दो पर

नारायण सेतु पर ट्रेन की चपेट में आने से अस्थायी दो रेल श्रमिकों की मौत, दो की हालत गंभीर

बंगाईगांव (हि.स.)। असम के बंगाईगांव जिले के जोगीघोपा स्थित नारायण सेतु रेल-सह-सड़क पुल पर सोमवार को ड्यूटी के दौरान एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से अस्थायी दो रेल श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान रेजाउल हक और सहर अली के तौर पर हुई है; ये दोनों जोगीघोपा, भाटीपारा के कोरेया पहाड़ गांव के रहने वाले थे। वहीं, घायलों की पहचान जाकिर हुसैन और इयार आलम के तौर पर हुई है, जिन्हें इलाज के लिए ग्वालपारा सिविल अस्पताल ले जाया गया। बताया गया है कि रेल श्रमिक ब्रह्मपुत्र नदी पर बने 2.3 किलोमीटर लंबे नारायण सेतु पर रेलवे ट्रैक के रखरखाव का कार्य कर रहे थे। यह घटना तब हुई जब चारों श्रमिक पुल पर रेलवे ट्रैक के किनारे चल रहे थे। इसी दौरान एक ही समय पर दो ट्रेनें आ गईं और *अप-लाइन* पर तेजी से आ रही मालगाड़ी ने कर्मचारियों को टक्कर मार दी। इस टक्कर से रेजाउल हक और सहर अली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल दोनों श्रमिकों को तत्काल इलाज के लिए ग्वालपारा सिविल अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बच्ची से दुष्कर्म : 65 साल के व्यक्ति को मिली फांसी की सजा

पुणे। महाराष्ट्र के नसरपुर में 4 साल की बच्ची का रेप और मर्डर केस में पुणे की स्पेशल फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने आरोपी भीमराव कांबले को मौत की सजा सुनाई है। पॉक्सो एक्ट के तहत चले इस मुकदमे में 55 दिन बाद अदालत का फैसला आया है। भोर तहसील में चार साल की बच्ची की बेरहमी से हत्या के इस मामले -शेष पृष्ठ दो पर

रास के आठ नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को राज्यसभा में सात नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सदस्यों में मानसिंह मेरामन परमार, तरुण चुघ, डॉ. अलका सिंह, जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया, राजेंद्र हीरालाल जैन, एम. नागराजा तथा अधिकारिमायुम शारदा देवी शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

पेट्रोल-डीजल पर कल से हटेगी पाबंदी : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 जुलाई से पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लगी अस्थायी पाबंदियां हटाने का फैसला किया है। ये पाबंदियां इस महीने की शुरुआत में मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष की वजह से ग्लोबल सप्लाई चेन में आई रुकावटों के बीच लगाई गई थी। सोमवार को जारी सरकारी आदेश में कहा गया है कि इमरजेंसी उपाय के तौर पर लगाई गई ये पाबंदियां 1 जुलाई से खत्म हो जाएंगी। ये पाबंदियां 12 जून को लगाई गई थीं, जब पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इंडस्ट्रियल, कमर्शियल और इंस्टीट्यूशनल ग्राहकों को रिटेल फ्यूल स्टेशनों से पेट्रोल और डीजल खरीदने से रोक दिया था और उन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

2 जुलाई को बंगाल कैबिनेट में पेश होगा यूसीसी का मसौदा : शुभेंदु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का मसौदा 2 जुलाई को राज्य कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। उन्होंने विधानसभा में यह जानकारी दी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाएगी, जो इस यूसीसी विधेयक को तैयार करेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह विधेयक बाद में विधानसभा में भी पेश किया जाएगा। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे मामलों में धर्म से ऊपर उठकर एक समान नागरिक ढांचा लागू करना है। समान नागरिक संहिता का अर्थ होता है भारत में रहने वाले हर नागरिक के लिए एक समान कानून होना, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का क्यों न हो। समान नागरिक संहिता लागू होने -शेष पृष्ठ दो पर

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे विदेश राज्य मंत्री और बिहार के राज्यपाल

नई दिल्ली। ईरान के सर्वोच्च नेता आयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार भारत भी शामिल होगा। ईरानी सूत्रों के हवाले से बताया गया कि आयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा करेंगे। ईरानी सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार और दफन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। जिसके बाद भारत ने इस उच्च स्तरीय -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में बना दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम : नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को देश की डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से *आरोग्य सेतु 2.0* सहित कई महत्वपूर्ण डिजिटल स्वास्थ्य पहलों का शुभारंभ किया। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में जे पी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत अब तक 90 करोड़ से अधिक आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) बनाए जा चुके हैं और 100 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड उनसे जोड़े जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम में शामिल हो चुका है। केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर आरोग्य सेतु 2.0, आयुष्मान ऐप, आयुष्मान सारथी व्हाट्सएप चैटबॉट, नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज, इंश्योरेंस प्लान एफएचआईर ऑब्जेक्ट क्रिएटर, ई-सुश्रुत क्लिनिक, यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेस (यूएचआई), ड्रग रजिस्ट्री, और भारत हेल्थ टर्मिनोलॉजी सर्विस जैसी डिजिटल सेवाओं की शुरुआत की। कार्यक्रम में आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव, राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) -शेष पृष्ठ दो पर

अयोध्या चढ़ावा चोरी मामले में सीबीआई जांच की याचिका पर तुरंत सुनवाई से एससी का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने सीबीआई के नेतृत्व में बहु-एजेंसी जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि अगर गर्मी की छुट्टियों के बाद नियमित कामकाज शुरू होने पर सुनवाई होगी, तो आसमान नहीं गिर जाएगा। दरअसल, दो अधिवक्ताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका (पीआईएल) में राम मंदिर में एकत्रित दान निधि से चोरी मामले में सीबीआई और अन्य एजेंसियों द्वारा अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की जा रही जांच से विश्वास पैदा नहीं होता है, और आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण सबूतों को ठीक से संरक्षित नहीं किया जा रहा है। इस पर न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और शील नागू की पीठ ने तत्काल सुनवाई की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि इस याचिका पर 12-17 जुलाई के सप्ताह के दौरान सुनवाई की जाएगी। गौरतलब है कि यह याचिका ऐसे समय में आई है -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, छह उग्रवादी गिरफ्तार

भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल। मणिपुर में उग्रवादी गतिविधियों के खिलाफ सुरक्षा बलों ने पिछले एक सप्ताह तक चले व्यापक संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। भारतीय सेना, असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने पिछले एक सप्ताह में राज्य के पांच जिलों में खुफिया सूचनाओं के आधार पर अभियान चलाकर छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, अभियान स्पीयर कोर के नेतृत्व में कांगपोकपी, इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल और काकचिंग जिलों में चलाया गया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों एसओआरईपीए, केसीपी (एन), केवाईकेएल और आरपीएफ (पीएलए) से जुड़े बताए गए हैं। इनमें एक स्वयंभू कैप्टन भी शामिल है। सबसे बड़ी बरामदगी कांगपोकपी जिले के लोइचिंग रिज, माओहिंग और नॉर्थ चांगौबुंग क्षेत्र में 24 और 26 जून को चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान हुई। असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने यहां से हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया। इसमें दो राइफल, एक कार्बाइन मशीन गन, एक अन्य राइफल, 42 देशी राइफलें, कई पिस्तौल, इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, पम्पी गन और एक अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने इसके अलावा कई ग्रेनेड, 250 से अधिक कारतूस, विस्फोटक सामग्री, संचार उपकरण तथा अन्य युद्धक सामग्री भी जब्त की। अधिकारियों का कहना है कि यह बरामदगी हाल के महीनों में राज्य में हथियारों की सबसे महत्वपूर्ण बरामदगियों में से एक मानी जा रही है। इसी दौरान इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल और काकचिंग जिलों में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में छह सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान एक पिस्तौल, 97 जीवित कारतूस, बारूद और एक बिना पंजीकरण वाला वाहन भी जब्त किया गया। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के उद्देश्य से खुफिया आधारित अभियान लगातार जारी रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार, उग्रवादी नेटवर्क, अवैध हथियारों की आवाजाही और हिंसक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सेना, असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल आपसी समन्वय के साथ अभियान चला रहे हैं।

कश्मीरी पंडित नर्स मर्डर केस में चार्जशीट दाखिल

यासीन मलिक समेत पांच लोगों के नाम शामिल

श्रीनगर (हि.स.)। कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (सीआईए) ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (स्कीम्स) की स्टाफ नर्स सरला भट के अपहरण, टॉर्चर और हत्या के मामले में 737 पेज की चार्जशीट दाखिल की है। आरोपपत्र में प्रतिबंधित जेकेएलएफ चीफ यासीन मलिक और चार अन्य लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। एजेंसी के मुताबिक यह मामला कश्मीर में आतंकवाद के शुरुआती दौर में हुए सबसे बर्बर अलगाववादी अपराधों में से एक से जुड़ा है। सरला भट का 18 अप्रैल, 1990 को स्कीम्स से अपहरण कर लिया गया था। उन्हें बेरहमी से टॉर्चर किया गया और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और उसके बाद श्रीनगर की उमर कॉलोनी में ऑटोमैटिक राइफल से गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। प्रवक्ता ने बताया कि यह केस 18 मार्च, 2024 को सीआईए को सौंपा गया था। बयान में कहा गया है कि चार्जशीट में दशकों से जमा किए गए मौखिक, दस्तावेजी, फोरेंसिक, बैलिस्टिक, मेडिकल और इलेक्ट्रॉनिक सबूतों का एक मजबूत संग्रह शामिल है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के चरम पर होने के दौरान बने असाधारण हालात की वजह से यह केस दशकों तक अनसुलझा रहा। आतंकवादी संगठनों की धमकी और आतंक के माहौल ने गवाहों के सामने आने और जरूरी तथ्य बताने की क्षमता पर बुरा असर डाला था। प्रवक्ता ने बताया कि जांच से यह साबित हुआ कि सरला भट की हत्या हिंसा की कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, बल्कि जम्मू एंड कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) की कमान और कंट्रोल में रची गई एक बड़ी आतंकवादी साजिश का हिस्सा थी। जांच से पता चला है कि अपहरण और बेरहमी से हत्या की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में जेकेएलएफ के तत्कालीन चीफ कमांडर मोहम्मद यासीन मलिक के साथ-साथ खुर्शीद अहमद चालकू, अब्दुल हामिद शेख, मोहम्मद यूसुफ सूफी उर्फ इदरीस और गुलाम मोहम्मद टपलू शामिल थे। बयान में कहा गया है कि अब्दुल हामिद शेख, मोहम्मद यूसुफ सूफी उर्फ इदरीस और गुलाम मोहम्मद टपलू की मौत हो चुकी है और मोहम्मद यासीन मलिक अभी किसी दूसरे मामले में न्यायिक हिरासत में है। फरार आतंकवादी खुर्शीद अहमद चालकू (जिसने गोली चलाई थी) के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। माना जाता है कि वह पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर भाग गया है।

महाराजा बीर बिक्रम हवाईअड्डे पर आठ बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा पुलिस और हवाईअड्डा सुरक्षा बल ने विशेष खुफिया सूचना के आधार पर अगरतला स्थित महाराजा बीर बिक्रम हवाईअड्डे पर दो अलग-अलग अभियानों में आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों द्वारा सोमवार को दी गई जानकारी के अनुसार, दोनों अभियानों में चार-चार बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी ने त्रिपुरा सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था और गुवाहाटी जाने की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों के पास से कई मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

बांग्लादेश से आएगा हिंदी छात्रों, शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली (हिस)। बांग्लादेश में ढाका विश्वविद्यालय के *इंस्टीट्यूट ऑफ मॉडर्न लैंग्वेज* के हिंदी के छात्रों एवं शिक्षकों का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल दो जुलाई से 10 जुलाई तक भारत की यात्रा पर आ रहा है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के *स्टूडेंट्स विजिटर्स प्रोग्राम 2026-27* के तहत आयोजित यह दौरा बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित भारत के उच्चायोग और आईसीसीआर के एक संयुक्त पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों पड़ोसी देशों के बीच भाषाई तथा सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाना है। अपनी इस भारत यात्रा के दौरान बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल देश के कई प्रतिष्ठित भाषाविदों, कुलपतियों और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों से मुलाकात करेगा।

अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमलों में आम नागरिक हताहत : तालिबान

काबुल (हि.स./ रिया नोवोस्ती)। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने आरोप लगाया है कि रविवार की रात पाकिस्तान ने उसके पक्तिका, पाकतिया और कुनार प्रांतों में जो हवाई हमले किए हैं उनमें महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक हताहत हुए हैं। तालिबान के सर्वोच्च नेता के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की वायु सेना ने 28 जून की रात अफगानिस्तान के पक्तिका, पकतिया और कुनार प्रांतों में हवाई हमले किए, जिनमें महिलाओं और बच्चों समेत कई आम नागरिक मारे गए और घायल हुए। मुजाहिद ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि पक्तिका के गयान जिले, पकतिया के समकणी जिले और कुनार के मनोगई जिले में नागरिक आबादी वाले क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। उन्होंने इन हमलों को *कायरतापूर्ण आक्रामक कार्रवाई* बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने यह भी दावा किया कि 8 जून को भी पाकिस्तान की वायु सेना ने कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में नागरिक घरों पर बमबारी की थी, जिसमें 11 बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 14 महिलाएं और बच्चे घायल हुए थे। वहीं, पाकिस्तान की ओर से अलग दावा किया गया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा कि सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर एक सुनियोजित जमीनी अभियान चलाया, जिसके बाद सीमावर्ती क्षेत्र में मौजूद आतंकवादी ठिकानों पर लक्षित कार्रवाई की गई। फिलहाल, सीमा पार सुरक्षा अभियानों और हवाई हमलों को लेकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बना हुआ है।

ट्राई की जांच में जियो का नेटवर्क सबसे बेहतर, बीएसएनएल में समस्या सबसे अधिक

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने राजस्थान और गुजरात के बीच जोधपुर-अहमदाबाद रेल मार्ग पर मोबाइल नेटवर्क सेवाओं की गुणवत्ता की जांच कि है। मई में किए गए इस परीक्षण में रिलायंस जियो का नेटवर्क कवरेज और डेटा स्पीड के मामले में सबसे बेहतर पाया गया। ट्राई ने बताया कि 4 मई को जोधपुर से अहमदाबाद के बीच 456.9 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग पर स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट किया गया। इसका उद्देश्य विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की वास्तविक समय में नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन करना था। परीक्षण के दौरान एयरटेल, बीएसएनएल, रिलायंस जियो और वोडाफोन-आइडिया (वीआई) के 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर वॉयस तथा डेटा सेवाओं का परीक्षण किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, कवरेज के मामले में रिलायंस जियो का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। जियो के 26,136 सैंपलों में केवल 685 स्थानों पर कमजोर सिग्नल मिला। एयरटेल में 26,319 सैंपलों में 1,843 स्थानों पर कमजोर सिग्नल दर्ज किया गया। वहीं वीआई के 25,817 सैंपलों में 5,150 और बीएसएनएल के 23,625 सैंपलों में 7,368 स्थानों पर कमजोर सिग्नल पाया गया। सीमित सेवा या नो कवरेज के मामले में भी बीएसएनएल सबसे पीछे रहा, जहां 1,271 स्थानों पर नेटवर्क उपलब्ध नहीं था। कॉल ड्रॉप के मामले में एयरटेल और रिलायंस जियो का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। दोनों कंपनियों के नेटवर्क पर परीक्षण के दौरान एक भी कॉल ड्रॉप नहीं हुई। बीएसएनएल में 122 सफल कॉलों में से 15 कॉल ड्रॉप हुईं, जबकि वीआई में 126 सफल कॉलों में से 4 कॉल ड्रॉप दर्ज की गईं। डेटा डाउनलोड स्पीड के मामले में रिलायंस जियो सबसे आगे रहा। जियो की औसत डाउनलोड गति 89.61 एमबीपीएस दर्ज की गई। एयरटेल की डाउनलोड स्पीड 48.53 एमबीपीएस रही। वीआई की औसत डाउनलोड गति 12.71 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 7.95 एमबीपीएस दर्ज की गई। अपलोड स्पीड में एयरटेल ने 11.69 एमबीपीएस के साथ पहला स्थान हासिल किया। जियो की औसत अपलोड गति 9.06 एमबीपीएस और वीआई की 8.81 एमबीपीएस रही। बीएसएनएल की अपलोड स्पीड 3.76 एमबीपीएस दर्ज की गई। ट्राई के अनुसार, परीक्षण जोधपुर, भगत की कोठी, लूनी जंक्शन, समदड़ी, जालोर, भीनमाल, रानीवाड़ा, धानेरा, भीलड़ी, पाटन और महेसाणा जंक्शन सहित विभिन्न स्टेशनों और रेलखंडों पर किया गया। परीक्षण के दौरान कॉल सेटअप सफलता दर, कॉल ड्रॉप दर, सिग्नल कवरेज, डाउनलोड और अपलोड स्पीड, लेटेंसी, जिटर तथा पैकेट ड्रॉप जैसे प्रमुख मानकों का मूल्यांकन किया गया। ट्राई ने कहा कि रिपोर्ट के निष्कर्ष संबंधित दूरसंचार कंपनियों के साथ साझा कर दिए गए हैं ताकि आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

रास में फिर नेता प्रतिपक्ष बने मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कर्नाटक से पुनर्निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा में एक बार फिर नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान कर दी गई है। राज्यसभा सचिवालय की ओर से सोमवार को जारी संसदीय बुलेटिन के अनुसार, राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें 26 जून 2026 से प्रभावी रूप से सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। संसदीय बुलेटिन के अनुसार, खड़गे का पिछला राज्यसभा कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो गया था। इसके साथ ही नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनकी मान्यता भी समाप्त हो गई थी। कर्नाटक से दोबारा राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद उन्हें नए कार्यकाल के लिए पुनः इस पद की मान्यता प्रदान की गई है। इससे पहले सोमवार को संसद भवन स्थित सभापति कक्ष में उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने मल्लिकार्जुन खड़गे को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। इस अवसर पर सदन के नेता एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। 83 वर्षीय मल्लिकार्जुन खड़गे वर्ष 2020 में पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने थे। अब वह लगातार दूसरी बार कर्नाटक से उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए हैं। खड़गे का राजनीतिक जीवन पांच दशक से अधिक लंबा रहा है। उन्होंने वर्ष 1972 में पहली बार कर्नाटक विधानसभा चुनाव जीतकर सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया और बाद में लगातार नौ बार विधायक निर्वाचित हुए। अपने लंबे राजनीतिक सफर में उन्होंने कर्नाटक सरकार में कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों का दायित्व संभाला तथा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका भी निभाई। वर्ष 2009 और 2014 में वह गुलबर्गा लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने गए। केंद्र की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में उन्होंने रेल मंत्री तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री के रूप में कार्य किया।

पृष्ठ एक का शेष

एनएच-15 के उन्नयन से ...

सड़कों, पुलों, रेलवे और हवाई अड्डों में पर्याप्त निवेश देखा है। असम सरकार ने बार-बार यह दोहराया है कि बेहतर परिवहन अवसंरचना निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजित करने और संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। बैहाटा चारियाली-मिशन चारियाली-तेजपुर कॉरिडोर गुवाहाटी को शोणितपुर और ऊपरी असम के कई जिलों से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है। इस उन्नत राजमार्ग से यातायात की सुगम आवाजाही सुनिश्चित होने और पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश से संपर्क मजबूत होने की उम्मीद है।

अगले 20 वर्षों तक ...

को लेकर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यदि उन नियुक्तियों को अवैध पाया जाता है, तो उन सभी नियुक्तियों को रद्द कर संबंधित कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाना चाहिए। हाग्रामा मोहिलारी के इन बयानों से बीटीसी की राजनीति में नई चर्चा शुरू होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने वन उत्पादों ...

में राजस्व की हेराफेरी को रोकने के लिए प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। यह बैठक असम सरकार के शासन में सुधार लाने, प्राकृतिक संसाधनों से राजस्व को अधिकतम करने और प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणालियों और सख्त प्रवर्तन उपायों के माध्यम से अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

असम और अरुणाचल प्रदेश में ...

कटाव की स्थिति का आकलन करने के लिए धेमाजी का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक आपूर्ति और राहत सामग्री की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया। इस बीच, अरुणाचल प्रदेश में स्थिति और भी बदतर बनी रही, जहां बारिश ने 12 जिलों में सड़कों, पुलों और घरों को नुकसान पहुंचाया। कुछ स्थानों पर भूस्खलन भी हुआ। भारतीय वायु सेना ने सोमवार को लोअर दिबांग घाटी जिले में एक नदी द्वीप पर फंसे चार लोगों को बचाया। कुल मिलाकर, भूस्खलन या क्षति के कारण 11 प्रमुख सड़कें अवरुद्ध हो गईं, और अधिकारियों ने बताया कि केवल दो सड़कों को ही फिर से खोला जा सका। राज्य में बाढ़ में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग अभी भी लापता हैं। वहीं शाह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू को फोन करके अचानक आई बाढ़ और भारी मानसूनी बारिश से उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, धेमाजी के चार राजस्व सर्किलों में फैले 69 गांवों में बाढ़ से लगभग 16,000 लोग प्रभावित हुए। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, शर्मा ने कहा कि उन्होंने शाह को वर्तमान में चल रहे राहत और पुनर्वास उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमें इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार की ओर से हर संभव समर्थन और सहायता का आश्वासन भी दिया है। उन्होंने आगे कहा कि मैं माननीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके फोन कॉल और धेमाजी में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के लिए धन्यवाद देता हूं। अरुणाचल प्रदेश में सोमवार को भी मूसलाधार बारिश जारी रही, जिसके परिणामस्वरूप विनाशकारी बाढ़ आई जिसने सड़क संपर्क को बाधित कर दिया, बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया और राज्य भर के लगभग 12 जिलों में जानमाल का नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के कई अन्य हिस्सों में भी लगातार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की खबरें आई हैं, जहां घर जलमग्न हो गए और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा, जिसके चलते स्थानीय प्रशासन को बचाव और निकासी अभियान शुरू करने पड़े। खराब दृश्यता के कारण भारतीय वायु सेना द्वारा चलाए जा रहे बचाव अभियान को रात भर के लिए स्थगित कर दिया गया था, लेकिन सोमवार सुबह इसे फिर से शुरू कर दिया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वी सियांग और पड़ोसी जिलों, जिनमें लेपाराडा, लोअर सियांग, लोअर सुबनसिरी और पापुम पारे शामिल हैं, में गरज और बिजली के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। अधिकारियों ने लोगों से भूस्खलन और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से तब तक यात्रा करने से बचने का आग्रह किया है जब तक कि यह अत्यंत आवश्यक न हो और मौसम की स्थिति में सुधार होने तक आधिकारिक सलाह का पालन करने को कहा है।

डॉ. शर्मा ने आरजी बरुआ ...

अवसंरचना में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। इसका उद्देश्य खेल विकास को बढ़ावा देना, युवा प्रतिभाओं का पोषण करना और राज्य को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम बनाना भी है। गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के महत्व पर जोर देते हुए, शर्मा ने कहा कि असम में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए विश्व स्तरीय खेल अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए परियोजना को समय पर पूरा किया जाना चाहिए।

नारायण सेतु पर ट्रेन ...

के मुताबिक, हादसा अचानक हुआ, मजदूरों को संभलने या खुद को बचाने का मौका नहीं मिला। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को ट्रैक से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस तथा पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। दुर्घटना में शामिल ट्रेन का विवरण तथा मुआवजे को लेकर रेलवे की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। साथ ही, इस घटना का रेल परिचालन पर पड़े प्रभाव का भी आकलन किया जा रहा है। पूसीरे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए अधिक विवरण देने से इंकार करते हुए, बताया है कि फिलहाल घटना के विवरण की प्रतिक्षा की जा रही है। उधर रेलवे अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हादसे के समय सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि ट्रैक पर काम कर रहे कर्मचारियों को ट्रेनों की आवाजाही की पूर्व सूचना दी गई थी या नहीं। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। इस दुर्घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने मृतक मजदूरों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वहीं घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस हादसे ने रेलवे निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन और रेलवे विभाग पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुटे हुए हैं, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

पेट्रोल-डीजल पर कल...

अधिकृत बल्क सप्लायर्स से ईंधन खरीदने का निर्देश दिया था। मंत्रालय ने मोटर स्पिरिट एंड हाई स्पीड डीजल आदेश, 2026 जारी किया था, जिसमें तेल मार्केटिंग कंपनियों और ईंधन रिटेलर्स को 90 दिनों तक रिटेल आउटलेट्स से बल्क खरीद को सीमित करने का निर्देश दिया गया था। सरकार ने कहा था कि यह फैसला दुनिया के कुछ हिस्सों को प्रभावित करने वाली मौजूदा जियोपॉलिटिकल स्थिति को देखते हुए लिया गया था, जिसने इंटरनेशनल पेट्रोलियम सप्लाई चेन, शिपिंग लॉजिस्टिक्स और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता को बाधित कर दिया था।

2 जुलाई को बंगाल...

से सभी धर्मों का एक कानून होगा। शादी, तलाक, गोद लेने और जमीन-जायदाद के बंटवारे में सभी धर्मों के लिए एक ही कानून लागू होगा। यह मुद्दा कई दशकों से राजनीतिक बहस के केंद्र में रहा है। यूसीसी केंद्र की मौजूदा सत्ताधारी भाजपा के लिए, जनसंघ के जमाने से प्राथमिकता वाला एजेंडा रहा है। भाजपा सत्ता में आने पर यूसीसी को लागू करना का वादा करने वाली पहली पार्टी थी और यह मुद्दा उसके 2019 के लोकसभा चुनाव घोषणापत्र का भी हिस्सा था। इसके साथ ही उसके शासन वाले राज्यों में इसे जोर-शोर से लागू भी कराया जा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल में यूसीसी लागू कराना पार्टी का अगला लक्ष्य है। देश में संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता को लेकर प्रावधान है। इसमें कहा गया है कि राज्य इसे लागू कर सकता है। इसका उद्देश्य धर्म के आधार पर किसी भी वर्ग विशेष के साथ होने वाले भेदभाव या पक्षपात को खत्म करना और देशभर में विविध सांस्कृतिक समूहों के बीच सामंजस्य स्थापित करना था। संविधान निर्माता डॉ. बीआर आम्बेडकर ने कहा था कि यूसीसी जरूरी है लेकिन फिलहाल यह स्वैच्छिक रहना चाहिए। संविधान के मसौदे के अनुच्छेद 35 को भारत के संविधान के भाग फोर में अनुच्छेद 44 के रूप में राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों के हिस्से के रूप में जोड़ा गया था। इसे संविधान में इस नजरिए के रूप में शामिल किया गया था जो तब पूरा होगा जब राष्ट्र इसे स्वीकार करने के लिए तैयार होगा और यूसीसी को सामाजिक स्वीकृति दी जा सकती है।

खामेनेई के अंतिम संस्कार ...

प्रतिनिधिमंडल को भेजने का फैसला किया है। दरअसल, अमेरिकी-इजरायली संयुक्त हमलों में मारे गए खामेनेई के लिए ईरान में 4 से 9 जुलाई तक सप्ताह भर चलने वाला राजकीय समारोह आयोजित किया जा रहा है। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, खामेनेई का पार्थिव शरीर 4 और 5 जुलाई को तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला परिसर में रखा जाएगा। ईरान के कई शहरों में 4 से 9 जुलाई तक होने वाले अंतिम संस्कार समारोह में दुनिया भर के कई विदेशी गणमान्य व्यक्तियों और लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान की राजधानी तेहरान पर किए गए हमले में सुप्रीम लीडर खामनेई की मौत हो गई थी। उनका राजकीय अंतिम संस्कार जुलूस 6 जुलाई को निर्धारित है, और आधिकारिक शोक अवधि के दौरान तेहरान प्रांत में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

भारत में बना दुनिया ...

डॉ. एम. श्रीनिवास, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर नड्डा ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि सही और बोधी जैसी एआई आधारित पहलें स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता बढ़ाने में मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। नए डिजिटल प्लेटफॉर्म पहले से बिखरी हुई स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत मंच पर लाएंगे। उन्होंने कहा कि आरोग्य सेतु 2.0 को पूरी तरह नए स्वरूप में विकसित किया गया है, जिससे गर्भवती महिलाओं, बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और गंभीर या दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित लोगों सहित सभी आयु वर्ग के नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं एक ही मंच पर आसानी से उपलब्ध होंगी। नड्डा ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से इन पहलों को प्रभावी ढंग से लागू करने का आग्रह करते हुए कहा कि स्वास्थ्य राज्य का विषय है। उन्होंने कहा कि इन पहलों से विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने में भी मदद मिलेगी। नड्डा ने कहा कि यह भारत को डिजिटल नवाचार के माध्यम से आधिक स्वस्थ राष्ट्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने आयुष्मान भारत जैसी परिवर्तनकारी योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया है और प्राथमिक, माध्यमिक तथा तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया है। इस अवसर पर केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि यह पहल भारत के डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के साथ आयुष पद्धति का समन्वय कर समग्र और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित कर रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आयुष सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में नवाचार को भी प्रोत्साहित करेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि परिवार के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं पर होती है, लेकिन वे अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती हैं। डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल सेवाएं महिलाओं को अपने स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने और कहीं भी अपने मेडिकल रिकॉर्ड तक आसानी से पहुंच बनाने में सक्षम बनाएंगी। उन्होंने कहा कि इससे आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशासनिक बोझ भी कम होगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. एम. श्रीनिवास ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन देश में बिखरी हुई डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत राष्ट्रीय स्वास्थ्य तंत्र में बदल रहा है। इससे कागजी कार्यवाही कम होगी, स्वास्थ्य सेवाओं की दक्षता बढ़ेगी और नागरिकों को बेहतर तथा निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल ने कहा कि भुगतान, पहचान और सार्वजनिक सेवाओं की तरह अब स्वास्थ्य क्षेत्र में भी डिजिटल परिवर्तन तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि नई डिजिटल पहलें स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, मरीजों के अनुभव को बेहतर बनाने और डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को आधुनिक डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

अयोध्या चढ़ावा चोरी ...

जब उत्तर प्रदेश पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का बयान दर्ज किया जा चुका है। जबकि ट्रस्टी अनिल मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ ट्रस्ट अधिकारियों के बयान भी आवश्यकता पड़ने पर दर्ज किए जा सकते हैं। इससे पहले, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आरोपों पर अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि वह स्तब्ध, आहत और बेहद दुखी है और निष्पक्ष जांच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ट्रस्ट ने इन आरोपों पर दुख जताते हुए चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे की पुष्टि की है। ट्रस्ट ने राम भक्तों को आश्वस्त किया है कि भगवान राम को व्यक्तिगत रूप से अर्पित की गई सभी मूल्यवान वस्तुएं, जिनमें चांदी की ईंटें और आभूषण पूरी तरह सुरक्षित है और उनका पूरा हिसाब रखा गया है।

बच्ची से दुष्कर्म : 65 ...

में 65 साल के भीमराव कांबले को पहले ही दोषी ठहराया जा चुका था और कोर्ट को उम्रकैद या मौत की सजा में से किसी एक पर फैसला करना था। इस मामले का जिक्र अक्सर महाराष्ट्र के हालिया कानूनी इतिहास में सबसे तेजी से पूरे हुए मुकदमों में से एक के तौर पर किया जा रहा है। इसकी वजह थी पुलिस की तेज कार्रवाई, 1,200 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट और स्पेशल जज ए.आर. सालुंखे के सामने रोजाना होने वाली इन-कैमरा सुनवाई। स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने यह तर्क देते हुए मौत की सजा पर जोर दिया कि अपराध की क्रूरता सुप्रीम कोर्ट के रेयरेस्ट ऑफ रेयर सिद्धांत को पूरा करती है, जबकि बचाव पक्ष ने आरोपी की उम्र और गुनाह से इनकार को कम करने वाले फैक्टर बताया। फैसले का दौर तब आया जब कोर्ट ने कई गवाहों की गवाही रिकॉर्ड की और बड़े पैमाने पर फोरेंसिक और हालात के सबूतों की जांच की, जिसके कारण 25 जून को सजा हुई।

रास के आठ नवनिर्वाचित ...

मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सोमवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। वे कर्नाटक से लगातार दूसरी बार राज्यसभा सदस्य बने हैं। इनमें पांच सदस्यों ने हिन्दी, एक सदस्य ने कन्नड़, एक ने पंजाबी तथा एक ने मणिपुरी भाषा में शपथ लिया। इनमें से दो गुजरात का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर और राजस्थान से एक-एक सदस्य हैं। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश एवं प्रफुल्ल पटेल, राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी तथा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मणिपुर : कुकी-जो समूह डोलाइथाबी में सरकार की प्रस्तावित मैतेई पुनर्वास योजना का विरोध कर रहे हैं

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के साइकुल उपमंडल में कुकी-जो समुदाय के सैकड़ों सदस्यों ने कुकी इनपी साइकुल के बैनर तले रविवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया, जिसमें विस्थापित मैतेई परिवारों को डोलाइथाबी में पुनर्स्थापित करने की सरकार की कथित योजना का विरोध किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यह कदम दोनों समुदायों की सहमति या आपसी समझ के बिना उठाया जा रहा है। पुरुषों, महिलाओं और युवाओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया, तख्तियां लेकर प्रस्तावित पुनर्वास के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने दावा किया कि सरकार के फैसले में जमीनी स्थिति के साथ-साथ मई 2023 से राज्य में जारी अनसुलझे जातीय संघर्ष को भी नजरअंदाज किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने जोर देकर कहा कि विस्थापित लोगों की वापसी या पुनर्वास केवल प्रभावित समुदायों के बीच संवाद और सहमति के माध्यम से ही होना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि सरकार द्वारा लिया गया कोई भी एकतरफा निर्णय अविश्वास को गहरा करेगा और स्थायी शांति प्राप्त करने के प्रयासों को कमजोर करेगा। प्रदर्शनकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि वे शांति या सुलह के विरोधी नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि सच्ची शांति न्याय, सुरक्षा और सभी समुदायों की चिंताओं पर समान रूप से विचार करने पर आधारित होनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन के नेताओं में से एक ने कहा कि न्याय एकतरफा नहीं हो सकता और उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी पुनर्वास योजना एकतरफा नहीं बल्कि द्विपक्षीय होनी चाहिए, और दोनों समुदायों के बीच आपसी सहमति से ही आगे बढ़नी चाहिए। नेता ने आगे कहा कि हालांकि समुदाय शांति का विरोधी नहीं है, लेकिन वह किसी भी परिस्थिति में न्याय के बिना शांति स्वीकार नहीं करेगा। प्रदर्शनकारियों ने यह भी चेतावनी दी कि संघर्ष के मूल कारणों का समाधान किए बिना और सभी प्रभावित समुदायों के लिए समान न्याय सुनिश्चित किए बिना पुनर्वास योजना को लागू करने से सामान्य स्थिति बहाल होने के बजाए तनाव और बढ़ सकता है। विरोध प्रदर्शन के दौरान, प्रतिभागियों ने *शांति नहीं तो पुनर्वास नहीं, हमें न्याय चाहिए,* और *शांति से पहले न्याय* जैसे नारे लगाए। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह एकतरफा दृष्टिकोण को त्याग दे और इसके बजाए सभी हितधारकों को स्वीकार्य एक समावेशी और वार्ता-आधारित प्रक्रिया अपनाए। कुकी-जो संगठन ने मणिपुर में राजमार्ग अवरोध हटाने के लिए 48 घंटे की समय सीमा दी है विरोध-प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हुआ, जिसमें कुकी-जो समुदाय ने दोहराया कि मणिपुर संकट का कोई भी स्थायी राजनीतिक या मानवीय समाधान एकतरफा प्रशासनिक निर्णयों के बजाए न्याय, आपसी सहमति और सभी समुदायों के साथ समान व्यवहार पर आधारित होना चाहिए।

राज्य में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना की राशि बढ़ी नई गतिविधियां भी शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास (एमएलएएलएडी) योजना के तहत प्रत्येक विधायक के लिए वार्षिक निधि को वर्ष 2026-27 से एक करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1.50 करोड़ रुपए कर दिया है। साथ ही वर्ष 2027-28 से यह राशि बढ़ाकर दो करोड़ रुपए प्रतिवर्ष कर दी जाएगी। संशोधित दिशा-निर्देशों के तहत योजना में खेल सामग्री, सरकारी विद्यालयों एवं संस्थानों के लिए फर्नीचर, चिकित्सा उपकरण, दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण, विद्युत फिटिंग तथा सांस्कृतिक एवं धार्मिक सामुदायिक संस्थानों के लिए आवश्यक उपकरण जैसी नई गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। इन मदों पर वार्षिक आवंटन का अधिकतम 10 प्रतिशत व्यय किया जा सकेगा। अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

तेजपुर की प्रसिद्ध लीची के दो लाख पौधे तैयार करने के निर्देश

तेजपुर (हिंस)। असम के कृषि मंत्री पीयूष हजारिका ने सोमवार को तेजपुर के परमैघुली स्थित लीची बागानों का दौरा कर किसानों से बातचीत की और प्रसिद्ध तेजपुर लीची के उत्पादन व निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों से अगले वर्ष राज्यभर में वितरण के लिए कम से कम दो लाख लीची के पौधे तैयार करने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा कि कृषि विभाग जल्द ही लीची किसानों और निर्यातकों के साथ बैठक करेगा। इस अवसर पर उन्होंने किसानों को स्प्रे मशीन सहित अन्य कृषि उपकरण भी वितरित किए।

महिला सशक्तिकरण का संदेश लेकर डिब्रूगढ़ पहुंचीं राष्ट्रीय साइकिलिस्ट आशा मालवीय

डिब्रूगढ़ (हिंस)। राष्ट्रीय साइकिलिस्ट, एथलीट और पर्वतारोही आशा मालवीय अपनी अखिल भारतीय एकल साइकिल यात्रा के तहत डिब्रूगढ़ पहुंचीं। महिला सशक्तिकरण, देशभक्ति और साहस का संदेश देने के उद्देश्य से शुरू की गई इस यात्रा में वह अब तक 8,100 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुकी हैं और जल्द ही अरुणाचल प्रदेश के किबिथू पहुंचकर अभियान पूरा करेंगी। डिब्रूगढ़ प्रवास के दौरान आशा मालवीय ने उपायुक्त बिक्रम कैरी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिजीत गौरव दिलीप से मुलाकात की। जिला प्रशासन ने उनके अभियान को समर्थन देते हुए शेष यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। आशा मालवीय ने कहा कि उनका अभियान महिलाओं और युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के लिए समर्पित है।

पूसीरे ने की कुशल ऊर्जा उपयोग के लिए आईओटी आधारित टनल लाइटिंग ऑटोमेशन की शुरुआत

गुवाहाटी (हिंस)। ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने और स्मार्ट प्रौद्योगिकियों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी सेक्शन के न्यू हाफलंग स्थित टनल संख्या 9 में अत्याधुनिक आईओटी-आधारित टनल लाइटिंग ऑटोमेशन एवं ऊर्जा निगरानी प्रणाली लागू की है। यह पहल आईआर नियंत्रक प्लेटफॉर्म के माध्यम से केंद्रीकृत पर्यवेक्षण, दूरस्थ संचालन तथा रियल टाइम एनर्जी मॉनिटरिंग को सक्षम बनाती है। यह रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण और ऊर्जा खपत को उत्तम बनाने की पूसीरे के प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि इस परियोजना के तहत, टनल लाइटिंग फीडरों के लिए स्मार्ट मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया गया है और फील्ड उपकरणों को आईआर नियंत्रक प्लेटफॉर्म के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है। यह प्रणाली ऊर्जा खपत और परिचालनिक स्थिति पर लाइव डेटा प्रदान करने के साथ-साथ टनल संख्या 9 की प्रकाश व्यवस्था के दूरस्थ संचालन और निगरानी की सुविधा प्रदान करती है। यह स्वचालन प्रकाश प्रणालियों के समय पर नियंत्रण और निरंतर निगरानी को संभव कर ऊर्जा का कुशल उपयोग सुनिश्चित करता है। बिजली की खपत और प्रणाली की कार्यक्षमता के रियल-टाइम निगरानी को सक्षम करयह पहल ऊर्जा के उपयोग को अनुकूल बनाने, बर्बादी को कम करने और स्थायी तौर-तरीकों को बढ़ावा देने में मदद करेगी। आईओटी-आधारित टनल लाइटिंग ऑटोमेशन सिस्टम का कार्यान्वयन, अपने बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने और पूरे नेटवर्क में ऊर्जा प्रबंधन को मजबूत करने के पूसीरे के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है।इस तरह की पहलों के माध्यम से, भारतीय रेलवे के एक अधिक स्मार्ट और हरित भविष्य के दृष्टिकोण के अनुरूप, परिचालन उत्कृष्टता, पर्यावरणीय स्थिरता और आधुनिक रेल बुनियादी ढांचे के निर्माण के प्रति पूसीरे अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर मजबूत कर रहा है।

आपदा संचार नेटवर्क को मजबूत करने के लिए गुवाहाटी में बीबीपीपीडीआर परीक्षण आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में संचार व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सोमवार को गुवाहाटी में भारत के ब्रॉडबैंड पब्लिक प्रोटेक्शन एंड डिजास्टर रिलीफ (बीबीपीपीडीआर) नेटवर्क का प्रूफ ऑफ कांसेप्ट (पीओसी) परीक्षण आयोजित किया गया। परीक्षण की अध्यक्षता असम पुलिस के पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) अखिलेश कुमार सिंह ने की। इसमें गृह मंत्रालय, असम पुलिस, दूरसंचार विभाग, सीआरपीएफ तथा अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। परीक्षण के दौरान आपदा और आपातकालीन स्थितियों में नेटवर्क की कार्यक्षमता, समन्वय और प्रभावशीलता का आकलन किया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं) के कार्यालय में डिस्पैचर कंसोल स्थापित किया गया। अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया तथा पुलिस, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य एजेंसियों को एमसीसी हैंडहेल्ड उपकरण वितरित किए गए। परीक्षण के दौरान एयरटेल ने नेटवर्क सहयोग प्रदान किया। अधिकारियों के अनुसार, बीबीपीपीडीआर परियोजना का उद्देश्य देशभर में एकीकृत ब्रॉडबैंड संचार नेटवर्क विकसित कर आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना है।

जोनाई के सिमेन चापरी में क्षतिग्रस्त रेलवे पुल का मंत्रियों ने किया निरीक्षण

धेमाजी (हिंस)। असम के जल संसाधन मंत्री सुशांत बरगोहाईं और आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत ने सोमवार को जोनाई के सिमेन चापरी स्थित क्षतिग्रस्त रेलवे पुल का निरीक्षण किया। सिमेन नदी के उफान पर आने के कारण पुल का एक हिस्सा ढह गया था। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद दोनों मंत्री धेमाजी पहुंचे और जिले में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की तथा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्रियों ने कई राहत शिविरों का भी दौरा किया और बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत कर उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। दोनों मंत्रियों ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को एक माह के भीतर मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार बाढ़ संकट से निपटने और प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

जोनाई में बाढ़ से जनजीवन प्रभावित

धेमाजी (हिंस)। लगातार बारिश और डिकारी नदी के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी के कारण असम के धेमाजी जिलांतर्गत जोनाई में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। बाढ़ के चलते जनजीवन प्रभावित हुआ है। निचले इलाकों में पानी भर गया है और 15 से ज्यादा लोग करीब 100 मवेशियों के साथ नदी के बीच बने टापू पर फंस गए हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, उफनती नदी का पानी कई रिहायशी इलाकों में घुस गया, जिससे सड़कें और खेत जलमग्न हो गए और प्रभावित इलाकों के कई गांवों का संपर्क टूट गया। तेलम के कोराइबारी चर (नदी का छाड़न वाले क्षेत्र) में स्थिति गंभीर हो गई, जहां रविवार सुबह बाढ़ का पानी तेजी से नदी के टापू के चारों ओर फैलने के बाद 15 से ज्यादा निवासी फंस गए। प्रभावित लोग तब से फंसे हुए हैं क्योंकि पानी की तेज धारा और लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण सुरक्षित स्थानों पर जाना मुश्किल हो गया है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि टापू पर करीब 100 मवेशी भी फंसे हुए हैं, जिससे बचाव कार्य में देरी होने पर लोगों की सुरक्षा और मवेशियों के नुकसान को लेकर चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, कोराइबाड़ी चर में बाढ़ की स्थिति और खराब होती गई क्योंकि जलस्तर और बढ़ गया, जिससे फंसे हुए परिवारों और आस-पास के निवासियों में चिंता बढ़ गई। जोनाई के कई अन्य हिस्सों में भी बाढ़ का असर देखा गया है, जहां घर, सड़कें और खेत पानी में डूब गए हैं। बाढ़ के और बढ़ने के डर से कई परिवारों ने सुरक्षित इलाकों में शरण ली है। निवासियों ने जोनाई प्रशासन को आपातकालीन स्थिति के बारे में सूचित किया, जिसके बाद बचाव कार्यों के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की एक टीम को तैनात करने की व्यवस्था शुरू की गई। हालांकि, अंतिम सूचना मिलने तक, फंसे हुए निवासी बचाव का इंतजार कर रहे थे, जबकि अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए थे और बचावकर्मी कार्रवाई की तैयारी कर रहे थे। जिला प्रशासन ने निचले और संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया है क्योंकि बाढ़ की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है।

बाढ़ प्रभावित धेमाजी के साथ केंद्र और असम सरकार मजबूती से खड़ी : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा असम प्रदेश ने सोमवार को कहा कि बाढ़ प्रभावित धेमाजी जिले के लोगों को किसी भी परिस्थिति में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार राहत, बचाव एवं पुनर्वास कार्यों में पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटी हुई है। भाजपा प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट प्रियंका तामुली ने जारी बयान में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बाढ़ की स्थिति की समीक्षा कर राज्य सरकार को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं तथा संबंधित विभागों को राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मंत्री केशब महंत और सुशांत बरगोहाईं ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत कार्यों की समीक्षा की।

हरगिला संरक्षण को लेकर वन मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन से की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। असम के वन मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वन्यजीव संरक्षणवादी डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन से मुलाकात कर हरगिला (ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क) के संरक्षण तथा राज्य में वन्यजीव संरक्षण को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। बैठक में डॉ. बर्मन ने हरगिला संरक्षण की वर्तमान स्थिति, सामुदायिक प्रयासों और चुनौतियों से मंत्री को अवगत कराया तथा संरक्षण को और प्रभावी बनाने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने हाल ही में *मन की बात* में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उनके कार्यों की सराहना किए जाने पर आभार भी व्यक्त किया। वन मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा डॉ. बर्मन के कार्यों को मिली पहचान असम के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार और वन विभाग संरक्षणवादियों एवं स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर हरगिला सहित अन्य संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे।

मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा के साथ प्रांतीय पदाधिकारीयो की बैठक संपन्न

नगांव (निसं)। रविवार को प्रांतीय सांगठनिक दौरे के अंतर्गत मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक सेबू रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारी श मोहित मालू, श्रीमती पूनम पांडिया, राजीव जैन, अरुण बहेती एवं श्री रमेश जी पारीक की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक के दौरान शाखा द्वारा अब तक आयोजित विभिन्न सेवा एवं सामाजिक कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा पर सार्थक चर्चा हुई। प्रांतीय पदाधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त, प्रभावी एवं गतिशील बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही, उन्होंने नवीन कार्यशैली, नेतृत्व क्षमता एवं संगठनात्मक दृष्टिकोण पर सभी सदस्यों का मार्गदर्शन किया। यह बैठक सभी सदस्यों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी, ज्ञानवर्धक एवं उत्साहवर्धक रही। सभी को अनुभवी पदाधिकारियों के मार्गदर्शन से नई ऊर्जा, सकारात्मक सोच एवं सेवा के प्रति समर्पण के साथ समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा प्राप्त हुई। मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा प्रांतीय पदाधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त करती है तथा आशा करती है कि भविष्य में भी ऐसे संगठनात्मक दौरे समय-समय पर आयोजित होते रहेंगे, जिससे सभी शाखाओं को निरंतर मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं सहयोग प्राप्त होता रहे और संगठन समाजसेवा के अपने उद्देश्य को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाता रहे ।

लखीमपुर में भारी मात्रा में नकली नोट बरामद, दो गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर पुलिस ने बड़ी मात्रा में नकली भारतीय मुद्रा बरामद की है। नकली नोटों को लखीमपुर से गुवाहाटी की ओर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एक अभियान चलाकर नकली नोट ले जा रहे हैं वाहन की तलाशी ली। तलाशी करने पर 33 लाख रुपए से अधिक के नकली नोट बरामद किए गए। वाहन चालक हैदर अली और जियारुल इस्लाम को पुलिस ने हिरासत में लिया है। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और नकली नोटों के नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई जारी है।

कुमारगंज में धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के फकीराग्राम के कुमारगंज बाजार में सोमवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। इस धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ एक विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसमें क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सोमवार सुबह से ही श्रद्धालुओं का हुजूम कुमारगंज बाजार में जुटने लगा था। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे होकर कुमारगंज बाजार से एक विशाल शोभायात्रा निकाली। यह रैली मुख्य मार्ग से होते हुए फकीराग्राम स्थित हेल नदी के तट पर पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महिलाओं ने विधि-विधान से पवित्र जल भरकर कलश स्थापित किए। कलश यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। *जय जगन्नाथ* के उद्घोष से पूरा इलाका भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने रथ को खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि भगवान जगन्नाथ की यह रथ यात्रा क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि का प्रतीक है। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और शांतिपूर्ण ढंग से यात्रा संपन्न कराने के लिए स्थानीय प्रशासन व जनता का धन्यवाद किया। रथ यात्रा देखने के लिए आसपास के गांवों से भी बढ़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे।

संपादकीय

सियासी नेतृत्व का पिछड़ापन

कांगड़ा के राजनीतिक नेतृत्व के पिछड़ेपन के लिए यहां के नेताओं का भोलापन, पहचान का संकट, आपसी मेलभाव तथा स्वीकार्यता की कमी मानी जा सकती है। कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्ति का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांकने की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी बाध्यताओं ने कांगड़ा के उच्चारण तो बढ़ाए, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ षड्यंत्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पंथ बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शौर्य पस्त किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई नायाब हीरा नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव को सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए। वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, मंत्रिमंडलीय बैठकें, विधानसभा का शीतकालीन सत्र और धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी का दर्जा दिया, तो प्रेम कुमार धूमल ने सचिवालय से खेल राजधानी के रुतबे से मुख्यालय को नवाजा। जयराम ने राज्य के चिंतन मनन में धर्मशाला में इन्वेस्टर मीट, जी-ट्वंटी सम्मेलन के अलावा कई राष्ट्रीय पर्व और पहचान के इवेंट यहां आयोजित किए। वीरभद्र सिंह की रिवायतों से प्रभावित सुखविंद्र सुक्खू ने धर्मशाला तक कई विभागों, निगमों और बोर्डों के मुख्यालय पहुंचाए, तो संपूर्ण कांगड़ा घाटी को पर्यटन राजधानी घोषित करके, गगल एयरपोर्ट विस्तार को यकीनी बनाया। प्रस्तावित एयरोसिटी के जरिए एक अंतरराष्ट्रीय मुकाम की तलाशी शुरू हुई है। वनखंडी में अंतरराष्ट्रीय स्तर का चिड़ियाघर और विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं की दिशा में कदम उठाकर प्रतीक सुदृढ़ किए हैं। लिफाफों में चिट्ठियां बंटती रहीं, लेकिन किसी के नाम खत न हुए। कांगड़ा को लेकर नित नए प्रयोग जरूर हुए, लेकिन यहां के नेताओं में प्रयोगधर्मिता के बजाय एक-दूसरे की टांग खींचने की प्रतियोगिताएं चलती रहीं। राष्ट्रीय स्तर पर नेताओं ने अपने कद और पद के लिए प्रतीक सुदृढ़ किए, जातियों और समूहों के नेता बने या मुद्दों की फिराक में स्थायित्व हासिल किया। देश में भाजपा की राजनीति ने जिस तरह धर्मस्थलों को कब्जे में लिया, इससे कुछ नेता ऊंचे उठे। ऐसे में कांगड़ा के मंदिर स्थलों मसलन ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा और बैजनाथ की परिक्रमा में भाजपा नेता कम से कम अपने लिए बहुत कुछ हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा करने में कांगड़ा के नेता असमर्थ रहे। चिंतपूर्णी, दियोटसिद्ध, नयनादेवी व बाला सुंदरी मंदिरों पर केंद्रित आस्था ने कुछ नेताओं का वर्चस्व आजमाया है। दियोटसिद्ध में आय-व्यय का हिसाब राजनीतिक चाकरी करता है, लेकिन यही मानदंड कांगड़ा में लागू नहीं हो पाए। कांगड़ा के नगर निकायों में नेतागिरी का आलम यह कि कांगड़ा की छत पवन काजल को नहीं मिली, तो पालमपुर की सियासत ने शांता कुमार के बयान भी धराशायी किए। ऐसे में कांगड़ा के नेताओं के बीच भले ही मंडलियां सजती रहें, लेकिन कायदे की वह तस्वीर ही नहीं बनी, जहां नेताओं के पीछे जनता खड़ी हो।

कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्ति का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांकने की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी बाध्यताओं ने कांगड़ा के उच्चारण तो बढ़ाए, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ षड्यंत्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पंथ बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शौर्य पस्त किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई नायाब हीरा नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव को सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए।

कुछ अलग

दूल्हे की तलवार

कोई आज तक नहीं बता पाया कि दूल्हे की सजावट में तलवार का क्या काम, फिर भी साहसी दूल्हा किसी फतह के मुगालते में शादी में तलवार को अपना प्रतीक मान लेता है। शादी सफल होने की गारंटी, पति के कर्मों, समर्पण, निरंतर हार और प्रायश्चित में है। खैर शादी के ठीक पहले ही दूल्हे की तलवार गुम हो गई थी। जिस तलवार के सहारे दूल्हे के पिता, चाचा, दादा और पुरखों ने शादियां रचाई थीं, आखिर वो खो कैसे सकती, लिहाजा घर के सदस्य परेशान हो गए। परिवार की शान के लिए एक अदद तलवार चाहिए थी। किसी तरह किराये पर तलवार का बंदोबस्त हुआ, लेकिन उसके ऊपर पहले से ही कई दूल्हों के नाम खुदे हुए थे। गिनती में वह सौवां दूल्हा था जो इसी तलवार के सहारे शादी रचाने जा रहा था। एक दिल किया कि वह इससे पूर्व बने दूल्हों से पूछे कि तलवार लटकाने से क्या मिला, 'क्यों न चाकू या छुरी लटका लूं।' दिक्कत यह भी थी कि तलवार लटका कर उसे शादी का रात-दिन एक करना था। बाजार से सोना खरीदना फिर भी आसान है, लेकिन दूल्हा होने की योग्यता कठिन है। अब शक्ल से नहीं, टिकाऊपन से दूल्हे तय होते हैं। वह तय कर चुका था कि एक बार शादी हो जाए, वह जिंदगी भर टिका रहेगा। खैर दूल्हे को तलवार की चिंता थी कि कहीं फिर से खो न जाए। वह राजनीतिक गारंटियों की तरह तलवार की गारंटी पर शक कर रहा था। तलवार टांगे-टांगे उसने शादी की तमाम शर्तें मान लीं, जो उसके पुरखों ने भी कभी मानी थीं। अब वह उत्तीर्ण दूल्हा था, लिहाजा तलवार हटा दी गई। उसकी पगड़ी उतर चुकी थी और साधारण कपड़ों में पति जैसा दिखाई दे रहा था। आश्चर्य यह कि आदर्श पति की कोई भी निशानी नहीं होती।

सम्मान का मूल्य उसके साथ मिलने वाली राशि से नहीं, बल्कि उसके पीछे निहित आदर से आँका जाता है

क्या हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी साहित्यकारों की अपेक्षाओं पर खरी उतर रही है?

साहित्य किसी राष्ट्र की आत्मा का सबसे निर्मल स्वर है और साहित्यकार उस स्वर के अनथक साधक। वे शब्दों में समय का इतिहास लिखते हैं, संवेदनाओं को संस्कृति का आकार देते हैं और समाज की चेतना को दिशा प्रदान करते हैं। उनकी लेखनी केवल रचना नहीं करती, बल्कि पीढ़ियों के विचारों का संस्कार भी करती है। इसलिए, साहित्यकार का सम्मान किसी सरकारी कार्यक्रम की औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक परिपक्वता और संवेदनशीलता का सार्वजनिक उद्घोष होता है। इसी संदर्भ में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की वर्तमान कार्यप्रणाली अनेक प्रश्नों के घेरे में दिखाई देती है। लंबे समय से प्रतीक्षारत साहित्यकारों को अंततः सम्मानित तो किया गया, किंतु जिस प्रकार यह प्रक्रिया संपन्न हुई, उसने प्रसन्नता से अधिक निराशा को जन्म दिया। अनेक सम्मानित साहित्यकारों से बातचीत के दौरान जो अनुभव सामने आए, वे केवल व्यक्तिगत असंतोष की अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि उस व्यवस्था की ओर संकेत कर रहे थे जहाँ संवेदना पर औपचारिकता और आत्मीयता पर प्रशासनिक प्रक्रिया भारी पड़ती दिखाई देती है। सम्मान का मूल्य उसके साथ मिलने वाली राशि से नहीं, बल्कि उसके पीछे निहित आदर से आँका जाता है। एक सम्मान-पत्र केवल कागज़ का दस्तावेज़ नहीं होता; वह समाज की ओर से किसी रचनाकार की वर्षों की साधना को दिया गया सार्वजनिक प्रणाम होता है। इसलिए उसके प्रत्येक शब्द, प्रत्येक हस्ताक्षर और प्रत्येक औपचारिकता का अपना सांकेतिक महत्त्व होता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ सम्मान-पत्रों ने अनेक साहित्यकारों को आश्चर्यचकित किया। उन पर किसी सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर दृष्टिगोचर नहीं हुए। केवल नाम और पदनाम मुद्रित कर देना प्रशासनिक आवश्यकता पूरी कर सकता है, परंतु सम्मान की आत्मीय गरिमा का स्थान नहीं ले सकता। हस्ताक्षर केवल स्याही की रेखाएँ नहीं होते, वे संस्था की स्वीकृति, उत्तरदायित्व और सम्मान-बोध के जीवंत प्रतीक होते हैं। जब वही अनुपस्थित हों, तो सम्मान की गरिमा कहीं अधूरी-सी प्रतीत होती है। यदि इसके पीछे कोई प्रशासनिक अथवा विधिक कारण रहा हो, तो अकादमी का दायित्व था कि वह साहित्यकारों के समक्ष उसे स्पष्ट करती। संस्थाएँ केवल निर्णयों से नहीं, संवाद से भी विश्वास अर्जित करती हैं। संवाद का अभाव प्रायः अविश्वास को जन्म देता है और अविश्वास किसी भी सांस्कृतिक संस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती होता है। हरियाणा का साहित्यिक समाज आज भी उन अवसरों को स्मरण करता है जब राज्यपाल भवन में गरिमामय वातावरण के बीच साहित्यकारों का सम्मान किया जाता था। वहाँ पुरस्कार केवल प्रदान नहीं किए जाते थे, बल्कि साहित्य की प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया जाता था। मंच पर उपस्थित प्रत्येक साहित्यकार स्वयं को राज्य की सांस्कृतिक चेतना का सम्मानित प्रतिनिधि अनुभव करता था। आज भव्यता से अधिक आत्मीयता का अभाव महसूस होता है और यही पीड़ा साहित्यकारों के मन को उद्वेलित करती है। चिंता केवल सम्मान समारोह तक सीमित नहीं है। पिछले चार वर्षों के दौरान अकादमी की साहित्यिक सक्रियता को लेकर भी अनेक प्रश्न उठे हैं। वर्ष 2023, 2024, 2025 और वर्तमान वर्ष 2026 तक न तो पुरस्कारों एवं सम्मानों की नियमित प्रक्रिया दिखाई दी, न पांडुलिपियों के आमंत्रण की निरंतरता बनी रही, न व्यापक साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित हुईं, न युवा रचनाकारों के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम सामने आए और न ही प्रदेशव्यापी साहित्यिक संवाद का कोई सशक्त वातावरण निर्मित हो सका। यदि किसी साहित्य अकादमी के प्रांगण में रचनात्मक गतिविधियों का प्रवाह मंद पड़ जाए, तो स्वाभाविक है कि साहित्यिक समाज चिंता व्यक्त करेगा। साहित्य अकादमी केवल पुरस्कार बाँटने वाली संस्था नहीं होती। उसका वास्तविक स्वरूप एक जीवंत सांस्कृतिक विश्वविद्यालय का होता है, जहाँ विचारों का आदान-प्रदान होता है, नई प्रतिभाएँ दिशा पाती हैं, वरिष्ठ रचनाकारों के अनुभव नई पीढ़ी तक पहुँचते हैं और भाषा-संस्कृति की निरंतर साधना होती है। यदि यह भूमिका सीमित हो जाए, तो संस्था की उपयोगिता स्वयं प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। एक और गंभीर प्रश्न साहित्यकारों की सहभागिता को लेकर भी उठता है। अनेक रचनाकारों का अनुभव है कि अकादमी की निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय साहित्यकारों की भागीदारी अपेक्षित स्तर पर दिखाई नहीं देती। किसी भी साहित्यिक संस्था की आत्मा उसके लेखक, कवि, आलोचक, शोधकर्ता और अनुवादक होते हैं। यदि वही निर्णयों से दूर अनुभव करने लगें, तो संस्था का साहित्यिक चरित्र धीरे-धीरे प्रशासनिक स्वरूप में सिमटने लगता है। यह लेख किसी व्यक्ति विशेष के विरोध में नहीं, बल्कि व्यवस्था के आत्ममंथन का विनम्र आग्रह है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की शक्ति आलोचना को स्वीकार करने और उससे सीखने में निहित होती है। यदि साहित्यकार प्रश्न उठा रहे हैं, तो उन्हें असहमति नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। आवश्यक है कि अकादमी पुरस्कारों एवं सम्मानों की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाए, सम्मान समारोहों की गरिमा पुनर्स्थापित करे, साहित्यकारों के साथ नियमित संवाद स्थापित करे और पूरे वर्ष की साहित्यिक गतिविधियों का सुविचारित कैलेंडर सार्वजनिक करे। प्रत्येक जिले में साहित्यिक कार्यशालाएँ, पुस्तक चर्चाएँ, युवा लेखक सम्मेलन, लोक-साहित्य महोत्सव, शोधपरक संगोष्ठियाँ और विद्यालय-महाविद्यालय स्तर पर साहित्यिक अभियान आयोजित किए जाएँ। यही किसी सशक्त साहित्य अकादमी की पहचान होती है। साहित्यकार सम्मान का याचक नहीं होता। वह केवल अपने श्रम, अपनी साधना और अपनी सृजनशीलता के प्रति सम्मानजनक व्यवहार की अपेक्षा करता है। उसका सबसे बड़ा पुरस्कार समाज का विश्वास और उसका सबसे बड़ा सम्मान उसकी गरिमा है। यदि वही आहत होने लगे, तो यह किसी एक व्यक्ति की पीड़ा नहीं, बल्कि समूचे साहित्यिक समाज की वेदना बन जाती है। हरियाणा की साहित्यिक परंपरा अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली रही है। इस भूमि ने ऐसे अनेक साहित्यकार दिए हैं जिनकी लेखनी ने राष्ट्रीय साहित्य को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। ऐसी गौरवशाली परंपरा की साहित्यिक संस्था से अपेक्षा भी उसी स्तर की स्वाभाविक है। आवश्यकता है कि अकादमी प्रशासनिक औपचारिकताओं से ऊपर उठकर साहित्य की आत्मा को समझे, साहित्यकारों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे और स्वयं को केवल एक कार्यालय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना के सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित करे। आज आवश्यकता किसी विवाद को जन्म देने की नहीं, बल्कि विश्वास को पुनर्जीवित करने की है। सम्मान केवल प्रदान नहीं किया जाता, उसे अनुभव भी कराया जाता है। जब तक साहित्यकार स्वयं को सम्मानित अनुभव नहीं करेगा, तब तक सबसे भव्य आयोजन भी भीतर से रिक्त प्रतीत होंगे। आशा है कि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी इन प्रश्नों को सकारात्मक दृष्टि से स्वीकार करेगी और आत्ममंथन के माध्यम से ऐसी कार्यसंस्कृति विकसित करेगी जिसमें साहित्यकार का स्वाभिमान, साहित्य की गरिमा और संस्कृति का सम्मान सर्वोच्च स्थान प्राप्त करे। क्योंकि अंततः किसी भी समाज का भविष्य उसकी आर्थिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक चेतना से निर्धारित होता है—और उस चेतना का सबसे उज्ज्वल दीप साहित्य ही है।

वे शब्दों में समय का इतिहास लिखते हैं, संवेदनाओं को संस्कृति का आकार देते हैं और समाज की चेतना को दिशा प्रदान करते हैं। उनकी लेखनी केवल रचना नहीं करती, बल्कि पीढ़ियों के विचारों का संस्कार भी करती है। इसलिए साहित्यकार का सम्मान किसी सरकारी कार्यक्रम की औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक परिपक्वता और संवेदनशीलता का सार्वजनिक उद्घोष होता है। इसी संदर्भ में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की वर्तमान कार्यप्रणाली अनेक प्रश्नों के घेरे में दिखाई देती है। लंबे समय से प्रतीक्षारत साहित्यकारों को अंतत: सम्मानित तो किया गया, किंतु जिस प्रकार यह प्रक्रिया संपन्न हुई, उसने प्रसन्नता से अधिक निराशा को जन्म दिया। अनेक सम्मानित साहित्यकारों से बातचीत के दौरान जो अनुभव सामने आए, वे केवल व्यक्तिगत असंतोष की अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि उस व्यवस्था की ओर संकेत कर रहे थे जहाँ संवेदना पर औपचारिकता और आत्मीयता पर प्रशासनिक प्रक्रिया भारी पड़ती दिखाई देती है।

देश दुनीया से

सड़क पर पैदल चलना : अब मौलिक अधिकार

भारत में विकास की पहचान अक्सर चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे से की जाती है। लेकिन विकास का वास्तविक अर्थ केवल तेज गति से दौड़ते वाहनों की सुविधा नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और गरिमा भी है। दुर्भाग्य से हमारे देश में सड़क पर पैदल चलने वाले व्यक्ति को आज भी सबसे कमजोर और उपेक्षित सड़क उपयोगकर्ता माना जाता है। यही कारण है कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं लोगों को उठाना पड़ता है जिनके पास कोई वाहन नहीं होता। हाल ही में एक अत्यंत दुखद मामले की सुनवाई के दौरान देश के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। एक पिता अपने पांच वर्षीय पुत्र को स्कूल छोड़ने जा रहा था, तभी एक सड़क दुर्घटना में मासूम बच्चे की जान चली गई। मुआवजे की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि पैदल चलने का अधिकार संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए तथा सड़कों पर पैदल यात्रियों के अधिकारों को मोटर वाहनों से ऊपर रखा जाना चाहिए। यह टिप्पणी केवल एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की सड़क सुरक्षा व्यवस्था और विकास की सोच पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 (1)-डी में देश के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने का अधिकार है और अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। सर्वोच्च न्यायालय भी समय-समय पर इन अनुच्छेदों की व्यापक व्याख्या करते हुए गरिमामय जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जीवन को भी इसका हिस्सा मान चुका है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या सड़क पर सुरक्षित रूप से चलना भी नागरिक के जीवन के अधिकार का हिस्सा नहीं होना चाहिए? यदि कोई व्यक्ति घर से निकलकर सड़क पार करने में ही अपनी जान गंवा दे, तो उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का दावा कितना सार्थक रह जाता है? भारत में सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर सार्वजनिक संकट बन चुकी हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष लाखों सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है। औसतन प्रति वर्ष 30500 से अधिक पैदल यात्रियों की जान चली जाती है। कुल पैदल यात्रियों में से लगभग 31 प्रतिशत राष्ट्रीय मार्गों पर काल का ग्रास बन जाते हैं। ये आंकड़े पूरे विश्व में सबसे अधिक हैं। इनमें बड़ी संख्या पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और अन्य कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं की होती है। तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाना, शराब पीकर ड्राइविंग करना और सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी इसके प्रमुख कारण हैं। विडंबना यह है कि मोटर वाहन अधिनियम 1988 में वाहनों, चालकों और यातायात नियमों से संबंधित विस्तृत प्रावधान हैं। वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण और दंडात्मक प्रावधानों को विस्तार से परिभाषित किया गया है। लेकिन पैदल यात्रियों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और उनके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को लेकर कोई समग्र कानूनी ढांचा दिखाई नहीं देता। कानून यह तो बताता है कि वाहन कैसे चलाया जाए, लेकिन यह पर्याप्त रूप से सुनिश्चित नहीं करता कि सड़क पर चलने वाला व्यक्ति सुरक्षित कैसे रहेगा। देश के अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, और जहां हैं, वहां अतिक्रमण का कब्जा है। कई स्थानों पर जेब्रा क्रॉसिंग केवल सफेद धारियों तक सीमित हैं, जिनका वाहन चालक सम्मान नहीं करते। स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों के आसपास भी पैदल यात्रियों की सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध नहीं मिलते। परिणामस्वरूप सड़कें नागरिकों के बजाय वाहनों के लिए अधिक अनुकूल दिखाई देती हैं। अब समय आ गया है कि सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे। जिस प्रकार बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के लिए विशेष कानून बनाए गए हैं, उसी प्रकार पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी एक व्यापक राष्ट्रीय नीति या स्वतंत्र कानून बनाया जाना चाहिए। सड़कों के निर्माण और यातायात प्रबंधन में पैदल यात्री प्रथम की अवधारणा को अपनाया जाना चाहिए। सरकार को प्रत्येक सड़क परियोजना में सुरक्षित फुटपाथ, जेब्रा क्रॉसिंग, अंडरपास और पैदल पुल अनिवार्य करने चाहिए। स्कूलों और अस्पतालों के आसपास विशेष सुरक्षा क्षेत्र विकसित किए जाने चाहिए। सड़क निर्माण से पहले पैदल यात्री सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही तेज रफ्तार या लापरवाही से वाहन चलाकर पैदल यात्रियों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कठोर दंड सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विकसित देशों ने सड़क को केवल वाहनों के लिए नहीं, बल्कि नागरिकों के लिए साझा सार्वजनिक स्थान माना है। इसलिए वहां पैदल चलना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि एक संरक्षित नागरिक अधिकार के रूप में देखा जाता है। अमरीका, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों में पैदल चलने वालों को सड़क की उल्टी दिशा में चलने की हिदायत दी जाती है ताकि सामने से आने वाली गाड़ी को देखा जा सके। यद्यपि पैदल यात्रियों के लिए कोई अलग अंतरराष्ट्रीय संधि नहीं है, फिर भी संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन की विभिन्न घोषणाएं सुरक्षित और सुलभ पैदल परिवहन को एक महत्वपूर्ण मानव और शहरी अधिकार के रूप में स्वीकार करती हैं।

आप का नजरीया

यह 'रामद्रोह' है

अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव एवं विहिप के उपाध्यक्ष चंपत राय बंसल को, अंततः, इस्तीफा देना पड़ा। अनिल मिश्रा ने भी ट्रस्ट सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया है। प्रभु श्रीराम की प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा के जो अनुष्ठान किए गए थे, अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी ने 'यजमान' की भूमिका निभाई थी। ऐसा व्यक्ति 'पतित' कैसे हो सकता है? बहरहाल ट्रस्ट की बैठक 11 जुलाई घोषित की गई है, जिसमें इन इस्तीफों पर विचार किया जाएगा। इस्तीफे स्वीकार किए जाएंगे अथवा नहीं, यह फिलहाल असमंजस है। राम मंदिर के भीतर जो चोरी-डकैती की गई है, वह 'महापाप' या 'महाडकैती' ही नहीं, बल्कि 'रामद्रोह' है। यह देशद्रोह से भी जघन्य अपराध है, गंभीर है, संवेदनशील है, क्योंकि करोड़ों आस्थाओं को लूटा गया है। एक संगठित गिरोह के तौर पर उन्होंने ही प्रभु राम के दान-चढ़ावे को लूटा है, जिनके चेहरों पर 'राम सेवक' के मुखौटे थे। उनमें से अधिकतर न्यायिक हिरासत में जेल के भीतर हैं, लेकिन आंशिक तौर पर...क्योंकि पुलिस ने उनकी रिमांड ही अदालत से नहीं मांगी है। पुलिस भी विशेष जांच टीम की अंतरिम रपट को ही पूर्ण साक्ष्य मान रही है, लिहाजा जेलगामी 'राम सेवक' जमानत पर भी बाहर आ सकते हैं! ये हिरासतें 'छोटी मछलियों' की हैं। आश्चर्य है कि न तो विशेष जांच टीम की कथित रपट में और न ही प्राथमिकी में चंपत राय और अनिल मिश्रा सरीखी 'बड़ी मछलियों' के नाम, आरोपितों की जमात में, दर्ज किए गए हैं। करोड़ों के जमीन-सौदों के दस्तावेजों पर चंपत राय और अनिल मिश्रा के ही दस्तखत हैं। तो फिर ये चेहरे आरोपित क्यों नहीं हैं? मामला निष्ठाओं का नहीं, नीयत का है और साक्ष्यों का है। इनकी जवाबदेही क्यों नहीं है? मंदिर का ट्रस्ट क्या प्रधानमंत्री दफ्तर को ब्यौरे देने से इंकार कर सकता है? ट्रस्ट केंद्र सरकार ने ही गठित किया था। राम मंदिर के ऐसे ट्रस्ट को अभी तक भंग क्यों नहीं किया गया? क्योंकि चंपत राय मूलतः संघ के प्रचारक रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी भी संघ के प्रचारक थे! क्या चंपत राय, अनिल मिश्रा, नृपेन्द्र मिश्रा से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही राम मंदिर के ठेकेदार हैं? पहरेदार हैं? क्या प्रभु राम इनकी ही बपौती हैं? करोड़ों रुपए की चोरी-डकैती के आरोप हैं, खरीदी गई जमीनों में घपले के सवाल हैं, चंपत राय ट्रस्ट के सर्वेसर्वा रहे हैं, तो उन्हें आरोपित क्यों नहीं बनाया गया? शक तो यह भी है कि इनके जरिए 'और बड़ी मछलियां' बेनकाब हो सकती हैं! बहरहाल अब ट्रस्ट स्तब्ध, आहत, दुखी महसूस कर रहा है। ट्रस्ट ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की है, जो न तो लेटरहेड पर है और न ही किसी अधिकृत पदाधिकारी के हस्ताक्षर हैं। अलबत्ता ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि का नाम जरूर टंकित किया गया है। ट्रस्ट का आरोप है कि कुछ असामाजिक, अधार्मिक, स्वार्थी तत्त्वों ने सनातन पर लांछन लगाने की कोशिश की है। ये लांछन नहीं, यथार्थ है, क्योंकि आम रामभक्तों ने सवाल उठाए हैं। कमोबेश 79.85 लाख रुपए से अधिक की नकदी तो बरामद की गई है। वे लुटेरे तो 'राम सेवक' कहे जाते थे! ट्रस्ट ने विज्ञप्ति के जरिए उन दानदाताओं को आश्वस्त करने का प्रयास किया है, जिन्होंने 200 किलो, 60 किलो की चांदी की ईंटें, काकभुशुंडी की चांदी की प्रतिमा, सोने-हीरे के आभूषण, प्रभु की चरण-पादुका आदि भगवान राम को अर्पित की थीं। उद्धव ठाकरे ने भी 4 किलो चांदी की ईंटें और 1 करोड़ रुपए नकद राम मंदिर में दान दिए थे। सवाल है कि किसी को भी रसीद क्यों नहीं दी गई? दानदाता के साथ फोटो खिंचवाने से इंकार क्यों किया गया? अब यदि ये दान सुरक्षित और उपलब्ध हैं, तो उनकी फोटो सार्वजनिक क्यों न की जाए? यह तथ्य भी सामने आया है कि मंदिर में 40 दिनों के अंतराल में 70 बार चोरी-डकैती की गई। कितना संगठित और साजिशकार गिरोह रहा होगा? बहरहाल ट्रस्ट ने ही खुलासा किया है कि अभी तक राम मंदिर में 4575 करोड़ रुपए का कुल दान, चढ़ावा आया है। उसमें से 2475 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

अनिल मिश्रा ने भी ट्रस्ट सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया है। प्रभु श्रीराम की प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा के जो अनुष्ठान किए गए थे, अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी ने 'यजमान' की भूमिका निभाई थी। ऐसा व्यक्ति 'पतित' कैसे हो सकता है? बहरहाल ट्रस्ट की बैठक 11 जुलाई घोषित की गई है, जिसमें इन इस्तीफों पर विचार किया जाएगा। इस्तीफे स्वीकार किए जाएंगे अथवा नहीं, यह फिलहाल असमंजस है। राम मंदिर के भीतर जो चोरी-डकैती की गई है, वह 'महापाप' या 'महाडकैती' ही नहीं, बल्कि 'रामद्रोह' है। यह देशद्रोह से भी जघन्य अपराध है, गंभीर है, संवेदनशील है, क्योंकि करोड़ों आस्थाओं को लूटा गया है। एक संगठित गिरोह के तौर पर उन्होंने ही प्रभु राम के दान-चढ़ावे को लूटा है, जिनके चेहरों पर 'राम सेवक' के मुखौटे थे। उनमें से अधिकतर न्यायिक हिरासत में जेल के भीतर हैं, लेकिन आंशिक तौर पर...क्योंकि पुलिस ने उनकी रिमांड ही अदालत से नहीं मांगी है। पुलिस भी विशेष जांच टीम की अंतरिम रपट को ही पूर्ण साक्ष्य मान रही है, लिहाजा जेलगामी 'राम सेवक' जमानत पर भी बाहर आ सकते हैं! ये हिरासतें 'छोटी मछलियों' की हैं। आश्चर्य है कि न तो विशेष जांच टीम की कथित रपट में और न ही प्राथमिकी में चंपत राय और अनिल मिश्रा सरीखी 'बड़ी मछलियों' के नाम, आरोपितों की जमात में, दर्ज किए गए हैं।

दृष्टि कोण

व्यापार समझौतों का नया सुकूनदेह परिदृश्य

हाल ही में 25 से 27 जून तक लंदन में भारत-ब्रिटेन व्यापक, आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीइटीए) की समीक्षा के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीइटीए 15 जुलाई से कार्यान्वित होगा। इससे भारत और ब्रिटेन दोनों लाभान्वित होंगे। खासतौर से भारत से निर्यात बढ़ेंगे एवं भारतीय पेशेवरों के लिए ब्रिटेन के बाजार में अवसर बढ़ेंगे। इसमें कोई दोमत नहीं है कि इस समय भारत के व्यापार समझौतों का परिदृश्य लगातार सुकूनदायक होता जा रहा है। विगत 17 जून को फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में ट्रंप ने कहा कि अमरीका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता जल्द आकार लेगा। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, वे मेरे अच्छे दोस्त हैं और भविष्य में मैं भारत जा सकता हूं। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब दोनों देश व्यापार समझौते के लिए अपने आर्थिक-व्यापारिक मुद्दों को सुलझाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों 1 जून से 4 जून के बीच नई दिल्ली में भारत और अमरीका के बीच महत्वपूर्ण व्यापार वार्ता संपन्न हुई है। इस वार्ता के बाद दोनों देशों ने कहा कि उनके बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता से संबंधित 99 प्रतिशत मुद्दे तय हो चुके हैं और दोनों देश एक पारस्परिक रूप से लाभकारी अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की राह पर हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि जी-7 सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी के साथ यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने वार्ता के दौरान कहा कि यूरोपीय संघ के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) जल्द ही कार्यान्वित होगा। यूरोपीय संघ के साथ भारत के व्यापार समझौते को सभी व्यापार समझौतों में सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत आगामी 10 महीनों में 9 एफटीए लागू करेगा। इससे देश निर्यात, विनिर्माण और निवेश का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। पश्चिम एशिया संकट के समाधान से भारत से निर्यात बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के मद्देनजर व्यापार समझौतों की अहम भूमिका उभरकर दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जब इस समय वैश्विक निर्यात का ग्राफ तेजी से घट रहा है, वहीं हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-मई माह 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले करीब 15 प्रतिशत बढ़ गया है और भारत की विकास दर भी उभरते हुए देशों में सबसे अधिक है। ऐसे में अब नए व्यापार समझौतों से इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में जहां भारत के निर्यात तेजी से बढ़ेंगे, वहीं अर्थव्यवस्था की रफ्तार और तेज होगी। विगत एक जून को भारत और ओमान के बीच वृहद आर्थिक एवं साझेदारी समझौता (सीईपीए) लागू हो गया है। इससे आगामी पांच वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 20 अरब डॉलर के पार पहुंचने का अनुमान है। ओमान में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा। इसके जरिये ओमान में भारत के कृषि, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र, प्लास्टिक, इंजीनियरिंग सामान, कपड़ा, फुटवियर और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों को पूर्ण शुल्क समाप्ति और निर्यात विस्तार का अवसर मिलेगा। खास बात यह है कि यह समझौता दक्षिण एशिया, खाड़ी क्षेत्र और पूर्वी अफ्रीका को जोड़ने वाला एक रणनीतिक आर्थिक गलियारा स्थापित करेगा।

अकाल तख्त से जत्थेदार का आदेश एक माह में संशोधित करें बेअदबी कानून

चंडीगढ़ (हिंस)। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडगज ने पंजाब सरकार को आदेश दिए हैं कि वह एक माह के भीतर बेअदबी कानून जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट-2026 में संशोधन करे। अकाल तख्त सचिवालय में सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार के सभी सिख मंत्री, विधायक पहुंचे। सुनवाई के दौरान कांग्रेस, अकाली दल तथा निर्दलीय विधायक भी अकाल तख्त साहिब के सम्मुख पेश हुए। सुनवाई के दौरान अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गडगज ने कहा कि बेअदबी करने वालों को सजा देने के लिए कानून बनाने पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सरकार सिख शब्दावली, मर्यादा और पंथ से जुड़े मामलों पर विधानसभा में फैसला नहीं कर सकती। तब तक इस कानून को निलंबित किया जाए। जत्थेदार ने 2 सवाल पूछे। इस दौरान विधायकों ने माना कि कानून को बिना पढ़े सहमति दी। अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गडगज ने सीएम भगवंत मान के 2 बयान सुनवाए। जिनमें वह कह रहे हैं कि अप बेअदबी करने वाला मानसिक रोगी हुआ, तो उसके मां-बाप या कस्टोडियन को सजा मिलेगी। उन्होंने वहां मौजूद मंत्री-विधायकों से पूछा कि क्या ये बात कानून में लिखी है। कृषि मंत्री गुरमीत खुड्डियां कोई स्पष्ट बात नहीं कर सके। इस पर विधायक इंद्रबीर सिंह निज्जर ने कहा कि इस सुनवाई का लाइव टेलीकास्ट नहीं करना चाहिए, यह संवेदनशील मसला है। इस पर अकाल तख्त जत्थेदार ने कहा कि सीएम ने ही हर कार्रवाई का लाइव टेलीकास्ट करने को कहा था। इसके लिए अकाल तख्त को ललकारा भी था। अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गडगज ने कहा कि सिखों के लिए कोई कानून बनाने पर सिखों की भी राय लेनी चाहिए। उस कानून में शोध करनी थी तो हमें भी बुलाते। कानून में जो शोध की है उसके लिए क्या शिरोमणि कमेटी से कोई राय ली। इस पर आप विधायक इंद्रबीर निज्जर ने कहा कि जब सुझाव मांगे थे तब एसजीपीसी को बुलाया था। निज्जर ने कहा कि कमेटी की तरफ से कोई चिट्ठी नहीं भेजी गई। सरकार का मुझे नहीं पता। नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि मैंने इस बारे में सदन में मांग उठाई थी। स्पीकर ने नहीं मानी। आप विधायक जगरूप सिंह ने कहा कि कानून को सहमति दी। लेकिन पढ़ा नहीं। अकाली विधायक गनीव कौर ने कहा कि ये बोलने पर बेइज्जती करते हैं। विधायक कुलवंत सिंह से पूछा तो उन्होंने भी कहा कि कानून नहीं पढ़ा। कई घंटे तक चली सुनवाई के दौरान जत्थेदार ने कहा कि जो गलती करता है उसे जितनी सजा देनी है दो उस पर कोई अधिकार नहीं है। दोषी के लिए क्रिमिनल एक्ट बनाना सरकार का अधिकार है। एतराज है कि कानून में बीड़ की जगह स्वरूप कहा जाए। विधानसभा को सिख शब्दावली तय करने का हक नहीं है। बीड़ के साथ स्वरूप कहते तो कोई एतराज नहीं। कस्टोडियन शब्द तय करना आपका अधिकार नहीं है। यह श्री अकाल तख्त साहिब का अधिकार है। किसको स्वरूप देना किसको नहीं देना यह पंथ तय करेगा। इसे हटाया जाए। अकाल तख्त जत्थेदार ने कहा कि गुरुग्रंथ साहिब का यूनिक नंबर लगाने पर एतराज है। सिख रहित मर्यादा में लिखा है कि गुरमता विधानसभा नहीं करती पंथ करता है। तुम यूनिक नंबर के लिए सुझाव भेज सकते हो आदेश नहीं दे सकते। पंथ ही यह फैसला ले सकता है। यहां पर सरकार टेक्निकल गलत हो गई।

सिरसा में मांगों को लेकर किसानों ने दिया धरना

सिरसा (हिंस)। जिले के नाथूसरी चोपटा में पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति ने सोमवार को किसानों की समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया और हरियाणा के मुख्यमंत्री का पुतला फूंका। समिति के जिला प्रधान सतीश बैनीवाल ने कहा कि क्षेत्र में जो सेम से बचाने के लिए ट्यूबल लगे हुए है वो ज्यादातर बंद पड़े हैं उनका समाधान हो। बरसात का मौसम शुरू होने वाला है, लेकिन अभी तक सरकार ने घग्गर ड्रेन से पानी की निकासी का कोई स्थायी प्रबंध नहीं किया है। यदि समय रहते उचित व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि शाहपुरिया गांव के किसानों को अभी तक फसल बीमा क्लेम नहीं मिला है। सरकार और संबंधित विभाग द्वारा गलत तरीके से आपत्तियां लगाकर किसानों को उनके अधिकार से वंचित रखा जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसान नेता ने जहां-जहां किसानों और ग्रामीणों की समस्याएं हैं, वहां उनका स्थायी समाधान करवाने तक संगठन संघर्ष जारी रखेगा। जिला प्रधान ने कहा कि चानौत गांव में पीने के पानी की मांग को लेकर पिछले 40 दिनों से किसानों और ग्रामीणों का धरना लगातार जारी है। संगठन ने उनके समर्थन में मुख्यमंत्री का पुतला फूंक कर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा कि सिरसा जिले की किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर 10 जुलाई को सिरसा के भगत सिंह स्टेडियम में बड़ी संख्या में किसान एकत्रित होंगे और सरकार के खिलाफ संघर्ष का ऐलान किया जाएगा। इस दौरान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मनदीप नथवान सहित अनेक पदाधिकारी एवं किसान साथी उपस्थित रहे।

सिपाही भर्ती परीक्षा में पकड़ा गया संदिग्ध अभ्यर्थी पुलिस के हवाले

किशनगंज (हिंस)। बिहार पुलिस दूरसंचार (सिपाही-प्रचालक) भर्ती परीक्षा के दौरान किशनगंज में हिरासत में लिए गए संदिग्ध अभ्यर्थी को सोमवार सुबह सहरसा पुलिस अपने साथ ले गई। मामले में सॉल्वर गिरोह से संभावित संबंधों की जांच अब सहरसा पुलिस करेगी। जानकारी के अनुसार, रविवार को सहरसा में सॉल्वर गिरोह की आशंका में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था। उनकी व्हाट्सएप चैट की जांच के दौरान किशनगंज के एक परीक्षार्थी से जुड़े अहम सुराग मिले। इसके आधार पर किशनगंज सदर थाना क्षेत्र स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चकला परीक्षा केंद्र से एक अभ्यर्थी को हिरासत में लिया गया। एसडीपीओ-1 खुशरू सिराज ने बताया कि सहरसा पुलिस से प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त परीक्षार्थी को हिरासत में लिया गया था। चूंकि मामला सहरसा में गिरफ्तार संदिग्धों से जुड़ा हुआ है, इसलिए आरोपी को आगे की पूछताछ और जांच के लिए सहरसा पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, सहरसा में गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन की व्हाट्सएप चैट में किशनगंज के इस अभ्यर्थी से संबंधित बातचीत मिली है।

सपा ने राम मंदिर निर्माण में रुकावटें क्यों खड़ी की थीं : भाजपा

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता आलोक अवस्थी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से श्रीराम मंदिर को लेकर लगातार दिए जा रहे अनाप शनाप बयानों पर पलटवार किया है। उन्होंने सपा अध्यक्ष पर तीखे कटाक्ष करते हुए कई सवाल पूछे हैं। भाजपा प्रवक्ता आलोक अवस्थी ने सोमवार को जारी अपने वीडियो बयान में कहा कि अखिलेश यादव नए नए राम भक्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह जवाब दें कि वे रामचरितमानस फाड़ने और जलाने पर चुप क्यों रहे? श्रीराम मंदिर बनने के रास्ते में रुकावटें क्यों खड़ी की? अवस्थी ने सवाल किया कि संविधान पीठ के निर्णय के पश्चात श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के लोकार्पण के न्योते को क्यों ठुकराया? भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि अपने आप को यदुवंशी बताने वाले अखिलेश यादव जवाब दें कि आप कृष्ण भक्त बन कर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के समर्थन के लिए कब खड़े होंगे? अखिलेश बताएं कि वे श्रीकृष्ण जन्मभूमि आंदोलन के लिए क्या करने वाले हैं और उनकी पार्टी की रीति नीति क्या है?

सोशल मीडिया पर वायरल फर्जी नियुक्ति पत्र को लेकर सांसद ने की शिकायत, मोहाली में एफआईआर

मोहाली (हिंस)। गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने संबंधी एक फर्जी पत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले में सांसद की शिकायत पर स्टेट साइबर क्राइम थाना मोहाली में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने इस संबंध में पंजाब के डीजीपी को शिकायत भेजी थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया और विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप्स में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के नाम से एक फर्जी और मनगढ़ंत पत्र प्रसारित किया जा रहा है। इस पत्र में दावा किया गया है कि उन्हें पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रंधावा ने स्पष्ट किया कि यह पत्र पूरी तरह फर्जी, अनधिकृत और दुर्भावनापूर्ण तरीके से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य जनता और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गुमराह करना तथा राजनीतिक भ्रम की स्थिति पैदा करना है। सांसद ने शिकायत में यह भी कहा कि इससे पहले भी उनके निधन की झूठी खबर सोशल मीडिया पर फैलाई गई थी, जिसकी शिकायत पंजाब पुलिस को दी गई थी, लेकिन आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। सांसद ने आशंका जताई कि दोनों घटनाओं के पीछे एक ही गिरोह की भूमिका हो सकती है। उन्होंने मांग की कि दोनों मामलों की जांच को आपस में जोड़कर किया जाए और पहले मामले में हुई कार्रवाई की रिपोर्ट भी उपलब्ध करवाई जाए। रंधावा ने कहा कि किसी राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करना केवल उनकी व्यक्तिगत छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनता के विश्वास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने पुलिस से मांग की थी कि मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर तकनीकी जांच के माध्यम से फर्जी पत्र तैयार करने वाले, उसे प्रसारित करने वाले और वायरल करने में शामिल सभी लोगों की पहचान की जाए तथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। शिकायत की जांच के बाद स्टेट साइबर क्राइम थाना मोहाली ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 336(2), 340(2) और 356(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जांच के दौरान तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आवश्यकता पड़ने पर अन्य धाराएं भी जोड़ी जा सकती हैं। फिलहाल साइबर और तकनीकी जांच के जरिए फर्जी पत्र के मूल स्रोत का पता लगाने के साथ-साथ इसे सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप्स में प्रसारित करने वालों की पहचान की जा रही है।

हरियाणा में एचआरएमएस व्यवस्था में बड़ा बदलाव, अब कर्मचारियों के काम होंगे जल्दी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए इस्तेमाल होने वाले हरियाणा ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एचआरएमएस) की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव किया है। अब कर्मचारियों के सेवा संबंधी और वेतन संबंधी मामलों का जिम्मा अलग-अलग विभागों के पास होगा। सरकार का मानना है कि इससे फैसले तेजी से होंगे, फाइलें कम घूमेंगी और एचआरएमएस से जुड़े काम पहले की तुलना में जल्दी पूरे हो सकेंगे। यह नई व्यवस्था पहली जून से लागू हो गई है। नई व्यवस्था के तहत नियुक्ति, तबादला, पदोन्नति, अवकाश, एसीआर और अन्य सेवा संबंधी मामलों का जिम्मा मानव संसाधन विभाग (एचआरडी) संभालेगा। वहीं वेतन, बिल, भुगतान और अन्य वित्तीय मामलों से जुड़े मॉड्यूल वित्त विभाग (ट्रेजरी एवं अकाउंट्स) के अधीन रहेंगे। यानी अब हर विषय के लिए जिम्मेदार विभाग पहले से तय रहेगा। यदि एचआरएमएस में कोई नई सुविधा जोड़नी हो, किसी मॉड्यूल में बदलाव करना हो या तकनीकी सुधार करना हो तो प्रस्ताव सीधे उसी विभाग के पास जाएगा, जिसके जिम्मे वह मॉड्यूल है। पहले कई स्तरों पर फाइलें भेजनी पड़ती थीं, जबकि अब निर्णय की प्रक्रिया छोटी और तेज होगी। इस बदलाव का सबसे बड़ा असर कर्मचारियों पर पड़ेगा। सेवा रिकॉर्ड, अवकाश, पदोन्नति या वेतन से जुड़े मामलों में जिम्मेदारी स्पष्ट होने से अनावश्यक देरी कम होने की उम्मीद है।

अनुसूचित जाति की आबादी के लिए सुरक्षित भूमि पर बारातघर निर्माण का विरोध, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

उरई (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन की माधौगढ़ तहसील की ग्राम पंचायत मई में अनुसूचित जाति की आबादी के लिए सुरक्षित भूमि पर प्रस्तावित बारातघर निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया है। गांव के अनुसूचित जाति के दर्जनों ग्रामीणों ने जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय को शिकायती पत्र सौंपकर ग्राम प्रधान पर आरक्षित भूमि पर साजिशन बारातघर निर्माण का प्रस्ताव कराने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से प्रस्ताव निरस्त कर किसी अन्य स्थान पर बारातघर बनवाने की मांग की है। सोमवार को दर्जनों ग्रामीणों भानु प्रताप, हरप्रसाद, रामकेश, पुरुषोत्तम, भगवान दास, सरजू प्रसाद, रामदास, राधेलाल का कहना है कि ग्राम पंचायत मई के गाटा संख्या 1607 को चकबंदी के दौरान अनुसूचित जाति की आबादी के विस्तार के लिए सुरक्षित रखा गया था। इसका स्पष्ट उल्लेख जोत चकबंदी आकार पत्र-45 में भी दर्ज है। उनका कहना है कि इस भूमि का उद्देश्य गांव के भूमिहीन एवं जरूरतमंद अनुसूचित जाति परिवारों को आवासीय पट्टे उपलब्ध कराना था, ताकि भविष्य में उन्हें रहने के लिए जमीन मिल सके। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पूर्व ग्राम प्रधान और वर्तमान ग्राम प्रधान ने पात्र परिवारों को आज तक इस भूमि पर आवासीय पट्टे नहीं दिए। ग्रामीणों का आरोप है कि जब उन्होंने इस संबंध में वर्तमान ग्राम प्रधान से बातचीत की तो कथित रूप से लाखों रुपये सुविधा शुल्क की मांग की गई। उनका कहना है कि मांग पूरी नहीं होने पर ग्राम प्रधान ने इसी आरक्षित भूमि पर सरकारी बारातघर निर्माण का प्रस्ताव पारित करा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस भूमि पर बारातघर का निर्माण हो गया तो अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों के लिए भविष्य में आबादी विस्तार और आवासीय पट्टों की कोई भूमि शेष नहीं बचेगी। इससे गरीब और भूमिहीन परिवारों के आवासीय अधिकार प्रभावित होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राम पंचायत में अन्य कई खसरा नंबर उपलब्ध हैं, जहां बिना किसी विवाद के बारातघर का निर्माण कराया जा सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने 24 जून 2026 को भी इसी मामले में प्रशासन को शिकायत दी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। कार्रवाई न होने से नाराज ग्रामीणों ने दोबारा जिलाधिकारी से मुलाकात कर गाटा संख्या 1607 पर प्रस्तावित बारातघर निर्माण को तत्काल निरस्त करने और किसी अन्य उपयुक्त भूमि का चयन करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा अनुसूचित जाति समुदाय के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे ने पूरे मामले की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। 125 दिवस रोजगार की गारंटी, 318 प्रकार के कार्यों से मिलेगा ग्रामीणों को रोजगार जोधपुर (हिंस)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का एक जुलाई से नए नाम एवं नए स्वरूप के साथ विकसित भारत-जी राम जी योजना के रूप में क्रियान्वयन प्रारम्भ होगा। योजना के तहत अब ग्रामीण परिवारों को 100 के स्थान पर 125 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही योजना में 318 प्रकार के विकास एवं निर्माण कार्य शामिल किए गए हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का विस्तार होगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में लगभग 65 हजार श्रमिककार्यरत हैं, जबकि जिले में 5 लाख 93 हजार 708 जॉब कार्ड धारक पंजीकृत हैं। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में पर्याप्त कार्य स्वीकृत कर श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत इंटरलॉकिंग सड़क, ग्रेवल सड़क, डामर सड़क, सामुदायिक खाला, चारदीवारी, कैटल शेड, फार्म पॉन्ड, टांका सहित 318 प्रकार के कार्य अनुमत किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक कच्चे कार्य सीमित होने के कारण पक्के निर्माण कार्यों में भी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमानुसार किसी कच्चे कार्य के पूर्ण होने के बाद पांच वर्ष तक उसे पुनः स्वीकृत नहीं किया जा सकता। ऐसे में स्थानीय स्तर पर नए कार्यों की पहचान एवं स्वीकृति सुनिश्चित की जा रही है, ताकि अतिरिक्त रोजगार दिवस उपलब्ध कराए जा सकें। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार ग्राम पंचायतों से प्राप्त प्रस्तावों को युक्तधारा पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। तीस जून से पूर्व मस्टररोल जारी कर श्रमिकों को कार्यस्थलों पर बुलाने की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले की 616 ग्राम पंचायतों की ए, बी एवं सी श्रेणियों में रैंकिंग की जाएगी। प्रति जॉब कार्ड रोजगार दिवस, पंचायत के प्रदर्शन तथा जिला मुख्यालय से दूरी सहित विभिन्न मानदण्डों के आधार पर पंचायतों का मूल्यांकन कर बजट का आवंटन किया जाएगा। मिश्रा ने बताया कि विकसित भारत-जी राम जी योजना के सुचारु क्रियान्वयन के लिए सभी विकास अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक कार्य स्वीकृत कर श्रमिकों को नियोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत कार्यस्थलों पर छाया, पेयजल, मेडिकल किट एवं पालना जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा बायोमेट्रिक उपस्थिति एवं डिजिटल मॉनिटरिंग के माध्यम से कार्यों की नियमित निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी।

बिहार के बेगूसराय में दो स्कार्पियो की आमने सामने टक्कर में चार की मौत

बेगूसराय (हिंस)। बिहार में बेगूसराय जिले के सिंघौल थाना क्षेत्र अन्तर्गत अंग्रेजी ढाला स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-31 पर बीते देर रात दो स्कॉर्पियो की आमने-सामने हुई टक्कर में पहले तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल स्कॉर्पियो चालक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिनमें कई की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। मृतकों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के पोखरिया वार्ड-37 निवासी स्वर्गीय ललन पासवान के 26 वर्षीय पुत्र ऋषभ कुमार, बैजू शर्मा के 26 वर्षीय पुत्र ऋषभ कुमार, वार्ड-36 निवासी राजन साह उर्फ चिक्कू के 22 वर्षीय पुत्र हिमांशु कुमार तथा इलाज के दौरान दम तोड़ने वाले स्कॉर्पियो चालक की पहचान राजा कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक पोखरिया से छह युवक एक स्कॉर्पियो पर सवार होकर सिमरिया गंगा घाट स्नान करने जा रहे थे। स्नान के बाद जन्मदिन मनाने की भी योजना थी। लेकिन अंग्रेजी ढाला के समीप सामने से आ रही दूसरी स्कॉर्पियो से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक चालक की मौत इलाज के दौरान हुई। दूसरी स्कॉर्पियो बखरी थाना क्षेत्र से बारात लेकर विनोदपुर जा रही थी। इस वाहन में सवार विकास कुमार, राजा कुमार, प्रियांशु कुमार, लक्ष्मण कुमार, प्रिंस कुमार और ज्योतिष कुमार समेत आधा दर्जन से अधिक लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

निजी अस्पताल में महिला की मौत पर हंगामा

जोधपुर (हिंस)। शहर के एक निजी अस्पताल में आज एक महिला की मौत हो गई। उसे तीन दिन पहले भर्ती कराया गया था। महिला की मौत पर परिजन और समाज के लोग बिफर गए। अस्पताल में तोड़फोड़ किए जाने के साथ मारपीट हुई। सूचना पर देवनगर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। परिजनों का आरोप है कि महिला को गलत खून चढ़ाने से उसकी मौत हुई है। इलाज में डॉक्टर पर कोताही बरते जाने का आरोप लगाया गया है। जानकारी के अनुसार नजमा अंसारी नामक महिला को तीन दिन पहले पाल लिंक रोड स्थित कमला नगर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया कि उसे आज गलत खून चढ़ाने पर उसकी तबीयत बिगड़ गई और दोपहर में मौत हो गई। मौत की खबर से परिजनों में रोष फैल गया और समाज के कई लोग अस्पताल में एकत्र हो गए। अस्पताल में कांच आदि तोड़ दिए गए। हंगामें एवं तोड़फोड़ की सूचना पर देवनगर पुलिस मौके पर पहुंची।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा का हुआ भव्य स्नान, हजारों श्रद्धालु बने साक्षी

जौनपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा के पावन अवसर पर सोमवार को नगर में भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र एवं माता सुभद्रा का पारंपरिक स्नान महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। रथ यात्रा महोत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान का पवित्र स्नान कराया और पूजा-अर्चना की। सोमवार को प्रातः 7 बजे हनुमान घाट से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल कलश यात्रा का शुभारंभ हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नंगे पांव शामिल हुए। जल कलश यात्रा चहारसू चौराहा, शाही किला और मानिक चौक होते हुए श्री जगन्नाथ धाम रासमंडल पहुंची, जहां आचार्य डॉ. रजनीकांत द्विवेदी के निर्देशन में वैदिक मंत्रों के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा का विधि-विधान से स्नान कराया गया। स्नान के उपरांत मंदिर के मुख्य अर्चक पंडित दिनेश चंद्र ने भगवान का षोडशोपचार पूजन संपन्न कराया। इसके बाद मंदिर समिति के महामंत्री शिव शंकर साहू ने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया। कार्यक्रम में रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष शशांक सिंह, मुख्य ट्रस्टी सीए संजय गुप्ता, अनिल अस्थाना, नीलिमा गुप्ता, संध्या सेठ, राजेश सेठ, संतोष गुप्ता, दयाशंकर निगम, डॉ. राजेश तिवारी, विनय बरौलिया, मनोज गुप्ता, संतोष मिश्रा, दिनेश सेठ, सुशीला सिंह, नीरज श्रीवास्तव, जग्गू सेठ, भरत कपूर, सभासद नंदलाल यादव, सभासद बसंत प्रजापति, अरुण शर्मा, पंडित निशाकांत द्विवेदी, पंडित आशुतोष मिश्रा, रवि शर्मा, रविकांत श्रीमाली, गणेश साहू, भृगुनाथ पाठक, दिलीप सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महामंत्री शिव शंकर साहू, रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष शशांक सिंह तथा मुख्य ट्रस्टी संजय गुप्ता एवं राजेश गुप्ता ने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस ने नीट परीक्षा पेपर लीक और बढ़ती महंगाई के खिलाफ केंद्र सरकार का किया पुतला दहन

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज स्टेशन चौक पर सोमवार को नगर और प्रखंड कांग्रेस कमिटी की ओर से नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अमितेश कुमार गुड्डू ने किया। वहीं संचालन प्रखंड अध्यक्ष गुलाबचंद ऋषिदेव ने किया। मौके पर कार्यक्रम के पर्यवेक्षक करण कुमार पंपू ने कहा कि केंद्र की सरकार शिक्षा माफिया के इशारे पर काम कर रही है। फलस्वरूप नीट और सीयूईटी जैसी परीक्षाओं का प्रश्नपत्र लीक हो जा रहा है। परिणामस्वरूप देश के गरीब और कमजोर परिवार के छात्र और छात्राओं को कोपभाजन का शिकार होना पड़ रहा है। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अविलंब मंत्री पद से हटाने की मांग की। पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल सिन्हा और नगर अध्यक्ष अमितेश गुड्डू ने कहा कि देश में बेरोजगार, महंगाई आसमान छू रही है और लगातार पेपर लीक हो रहा है। लेकिन सरकार मुकदर्शक बनी हुई है।

एचडीएफसी बैंक को क्लीन चिट के बाद चेयरमैन की तलाश तेज

नई दिल्ली

निजी क्षेत्र के प्रमुख ऋणदाता एचडीएफसी बैंक को पूर्व अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती द्वारा लगाए गए आरोपों की कानूनी समीक्षा में हाल ही में क्लीन चिट मिलने के बाद, बैंक प्रबंधन ने अपनी शीर्ष प्राथमिकता तय कर ली है। बैंक अब जल्द से जल्द एक नियमित चेयरमैन की नियुक्ति करेगा।

सीईओ शशिधर जगदीशन के कार्यकाल विस्तार पर भी होगा विचार

यह कदम प्रबंध निदेशक और सीईओ शशिधर जगदीशन के कार्यकाल विस्तार पर विचार करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, नए चेयरमैन की नियुक्ति अगले दो हफ्तों में होने की संभावना है, जिसके बाद जुलाई के अंत तक सीईओ के भविष्य पर निर्णय लिया जा सकता है।

बैंक बोर्ड के लिए नियमित चेयरमैन की नियुक्ति सबसे महत्वपूर्ण कार्य है, क्योंकि सीईओ के कार्यकाल को आगे बढ़ाने के लिए नए चेयरमैन की राय अहम होगी। अतनु चक्रवर्ती ने अपने इस्तीफे की वजह बताते हुए कहा था कि बैंक के अंदर कुछ घटनाएं और तौर-तरीके उनके निजी मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थे।

उनके इस्तीफे के बाद से, अनुभवी बैंकर और स्वतंत्र निदेशक केकी मिस्त्री ने अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन का पद संभाला है, जिन्हें हाल ही में 18 सितंबर तक या किसी नियमित चेयरमैन की नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, तीन महीने का सेवा विस्तार दिया गया है। एचडीएफसी बैंक बीते कुछ समय से नियमित चेयरमैन की तलाश कर रहा है और उसने इसके लिए एक टैलेंट सर्च फर्म को भी नियुक्त किया था।

समिति ने कई नामों पर चर्चा की थी और कुछ उम्मीदवारों को छांटा भी था, लेकिन विभिन्न कारणों से अभी तक किसी का नाम तय नहीं हो पाया है। वर्तमान प्रबंध निदेशक और सीईओ शशिधर जगदीशन का मौजूदा कार्यकाल अक्टूबर में समाप्त हो रहा है। बैंक ने इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को समय-समय पर दी है, जिससे किसी भी तरह की नियामकीय रुकावटों की आशंका नहीं है। यदि चेयरमैन की नियुक्ति जुलाई मध्य तक हो जाती है, तो सीईओ के कार्यकाल विस्तार पर भी उसी महीने फैसला होने की उम्मीद है। जगदीशन को 2020 में तीन साल के लिए नियुक्त किया गया था और 2023 में उनके कार्यकाल को तीन साल और बढ़ाया गया था।

न्यूज़ ब्रीफ

आरईसी के पीएफसी में विलय की योजना को दोनों कंपनियों के निदेशक मंडल की मंजूरी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन (आरईसी) लिमिटेड के निदेशक मंडलों ने आरईसी के पीएफसी में विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। आरईसी का पीएफसी में विलय होने से एक ऐसी वित्तीय कंपनी बनेगी, जिसका कुल कर्ज खाता 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। शेयर बाजार को देर रात दोनों कंपनियों ने इस विलय की जानकारी दी। सोमवार को कारोबार के दौरान दिन में करीब आरईसी के शेयर 0.37 फीसदी यानी 1.35 रुपये बढ़कर 366 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे, जबकि पीएफसी के शेयर 1.56 फीसदी यानी कि करीब 6.75 रुपये टूटकर 425.90 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। आरईसी के पीएफसी में विलय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230-232 और अन्य लागू प्रावधानों के तहत किया जाएगा, जिसमें संबंधित शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं की भी शामिल किया गया है। ये विलय कई शर्तों पर निर्भर है। इनमें दोनों कंपनियों के शेयरधारकों और कर्जदाताओं की मंजूरी और सभी संबंधित नियामकीय तथा सरकारी प्राधिकरणों की मंजूरी शामिल है। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार विलय के बाद बनी कंपनी का कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत सरकारी कंपनी का दर्जा बनाए रखना और भारत सरकार का विलय के बाद बनी कंपनी में (सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से) ज्यादातर मतदान अधिकार और नियंत्रण बनाए रखना भी जरूरी है।

इक्विटी म्युचुअल फंडों में एसआईपी की हिस्सेदारी 40 फीसदी के पार, खुदरा निवेशकों की बढ़ती समझदारी और भागीदारी का संकेत

नई दिल्ली। बाजार में उतार-चढ़ाव और कोविड-19 महामारी के बाद की तेजी में आई सुस्ती के बावजूद, सक्रिय इक्विटी म्यूचुअल फंडों में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। मई 2026 के अंत तक, एसआईपी से जुड़ी परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी कुल प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) का 40.4 प्रतिशत हो गई है, जो निवेशकों के भरोसे और अनुशासित निवेश का प्रमाण है। यह जनवरी में पहली बार 40% का आंकड़ा पार करने के बाद से लगातार बढ़ता रुझान है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, निवेशकों द्वारा किस्तों में लगातार निवेश जारी रखने से सक्रिय इक्विटी म्युचुअल फंडों में एसआईपी की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मई 2026 में यह आंकड़ा 40.4 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि दिसंबर 2025 में यह 40 प्रतिशत और एक वर्ष पूर्व 38.8 प्रतिशत था।

वीबीएल और असाही का करार, नए ग्रोथ इंजन से बनेगी विविध एफएंडबी कंपनी

नई दिल्ली। वरुण बेवरिजेज लिमिटेड (वीबीएल) ने जापान की असाही ग्रुप होल्डिंग्स के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। यह कदम पेप्सिको के साथ हुए उसके संशोधित करार के बाद आया है, जिसने वीबीएल को पेप्सिको उत्पादों तक सीमित रहने के प्रतिबंध से मुक्त कर दिया है। इस रणनीतिक साझेदारी से वीबीएल को अपने मौजूदा कार्बोनेटेड-ड्रिंक्स (गैस वाले पेय) के कारोबार से हटकर एक नई और मिलती-जुलती श्रेणी में अपना पोर्टफोलियो बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे कमाई के नए अवसर खुलेंगे। इस साझेदारी के तहत वीबीएल असाही के लोकप्रिय काल्पिस ब्रांड के तहत दो फ्लेवर में एक अल्कोहल-मुक्त, गैर-कार्बोनेटेड और डेयरी-आधारित रेडी-टु-ड्रिंक पेय पेश करेगा। असाही उत्पाद विकास का नेतृत्व करेगी और तकनीकी सहायता प्रदान करेगी, जबकि उसकी स्थानीय सहायक कंपनी विपणन और ब्रांड प्रबंधन की देखरेख करेगी। वीबीएल विनिर्माण, वितरण और बिक्री की जिम्मेदारी संभालेगा। हालांकि, शुरुआत में इसका आय पर प्रभाव मामूली रहने की उम्मीद है, लेकिन चालू वर्ष की दूसरी छमाही में दो उत्पादों की पेशकश के साथ, यह धीरे-धीरे विस्तार कर विभिन्न श्रेणियों में आय का एक बड़ा स्रोत बन सकता है। पेप्सिको के साथ वीबीएल के संशोधित समझौते ने कंपनी के लिए रणनीतिक विकल्पों के द्वार खोल दिए हैं। यह समझौता न केवल 2049 तक बढ़ा दिया गया है, बल्कि इसने वीबीएल को गैर-पेप्सिको व्यावसायिक गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति भी दे दी है। इससे वीबीएल एक बाटलर से एक विविध एफएंडबी (खाद्य और पेय) कंपनी में बदलने की राह पर है।

गिफ्ट सिटी से सीमा-पार भुगतान सेवाओं को नई उड़ान

अभारतीय कंपनियां सीमा-पार भुगतान सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए अपना रही हैं एक नई रणनीति

नई दिल्ली

फिनटेक कंपनियां आईएफएससी के पीएसपी लाइसेंस से घरेलू नियामकीय ढांचे से बाहर निकलकर पूंजी बाजार और बहु-मुद्रा भुगतान जैसे वैश्विक अवसरों का लाभ उठाएंगी। डिस्ट्रो, स्काइडो और एक्सफ्लो को मंजूरी। भारतीय कंपनियां सीमा-पार भुगतान सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए एक नई रणनीति अपना रही हैं। इसका उद्देश्य घरेलू नियामक ढांचे की सीमाओं से बाहर निकलकर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के भुगतान सेवा प्रदाता (पीएसपी) लाइसेंस के माध्यम से नए कारोबारी अवसरों का लाभ उठाना है। यह कदम कंपनियों को पूंजी बाजार से जुड़े लेनदेन, ट्रेजरी सुविधाओं और कई मुद्राओं में भुगतान समाधान उपलब्ध कराने में सक्षम बनाएगा, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मौजूदा पेमेंट एग्रीगेटर-क्रास बार्डर (पीए-सीबी) नियमों के तहत संभव नहीं थे। इस पहल के तहत, स्काइडो और एक्सफ्लो जैसी फिनटेक कंपनियों को आईएफएससीए से पीएसपी लाइसेंस के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है, जबकि डिस्ट्रो ने पूर्ण लाइसेंस हासिल कर लिया है। ये कंपनियां इस वर्ष अपना परिचालन शुरू करने के लिए बैंकों के साथ साझेदारी कर रही हैं। डिस्ट्रो के एक अधिकारी ने बताया, गिफ्ट सिटी में ट्रेड फाइनेंस और ट्रेजरी जैसी सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, हम 2027 के अंत तक पीएसपी लाइसेंस कारोबार से लगभग 10 लाख डालर का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य रख रहे हैं। गिफ्ट सिटी को विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं के लिए विकसित किया गया है, और इसका पीएसपी लाइसेंस खाता जारी करने, एस्क्रो सेवाओं, सीमा-पार धन हस्तांतरण और व्यापारियों को जोड़ने जैसी पांच प्रमुख गतिविधियों की अनुमति देता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार वित्तपोषण सेवा मंच (आईटीएफएस) के संचालक भी भारत के ई-नैच को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाले भुगतान ढांचे की मांग कर रहे हैं, जिससे पीएसपी कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर पैदा हो रहे हैं।

कुपोषण से जंग, मिशन सेहत से बदलेगी कृषि-स्वास्थ्य रणनीति, पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य उत्पादन और रोगों की रोकथाम पर जोर

नई दिल्ली। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद, भारत ने अब अपना ध्यान पोषण सुरक्षा पर केंद्रित किया है। इस दिशा में, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और भारतीय चिकित्सा शोध परिषद (आईसीएमआर) ने मिशन सेहत लान्च किया है। इसका लक्ष्य कृषि और स्वास्थ्य मंत्रालयों के बीच तालमेल बिठाकर पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य उत्पादन और रोगों की रोकथाम पर जोर देना है। यह पहल ऐसे समय मे आई है जब अध्ययनों से पता चला है कि आधुनिक उच्च उपज वाली फसलों में कैल्शियम, आयरन और फास्फोरस जैसे आवश्यक पोषक तत्व अपनी पारंपरिक किस्मों की तुलना में 38 फीसदी तक कम होते हैं। यही कारण है कि पर्याप्त अनाज के बावजूद देश में बड़े पैमाने पर कुपोषण और पोषण की कमी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (2023-24) के अनुसार, देश की 19.7 फीसदी आबादी कम वजन वाली है, जबकि 27.3 फीसदी पुरुष और 30.7 फीसदी महिलाएं मोटापे का शिकार हैं। पांच साल से कम उम्र के 31.8 फीसदी बच्चे भी कम वजन के हैं। इन चिंताजनक आंकड़ों के मद्देनजर, कृषि मंत्रालय जो पहले केवल कैलोरी आवश्यकताओं पर केंद्रित था, और स्वास्थ्य मंत्रालय जो मुख्य रूप से बीमारियों के इलाज पर ध्यान देता था, अब मिशन सेहत के तहत पोषण सुरक्षा और रोगों की रोकथाम के लिए मिलकर काम करेंगे।

केंद्र ने कारोबार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए सुधार सूचना तंत्र शुरू किया

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी) को बढ़ावा देने के लिए सुधार सूचना तंत्र की शुरुआत की है। इसे जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम के जरिए लागू किया गया है, जो व्यवसायों को बिना दंड के प्रक्रियात्मक कमियों को सुधारने का मौका देता है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक इस नई व्यवस्था के तहत अगर कोई कारोबार पहली बार प्रक्रिया या नियमों का पालन करने में कोई तय चूक करता है, तो उसे दंडात्मक कार्रवाई शुरू होने से पहले उस कमी को ठीक करने का मौका दिया जाएगा। इस सुधार का मकसद ईज आफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) को बढ़ावा देना है। यह सुधार ईओडीबी को बढ़ावा देता है। यह स्वेच्छा से नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है, अनावश्यक कानूनी विवादों को कम करता है और भरोसे पर आधारित रेगुलेटरी सिस्टम को सपोर्ट करता है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं की मज़बूत सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है।

मंत्रालय ने कहा कि इसे जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम के माध्यम से लागू किया गया है, जो व्यवसायों को बिना दंड के प्रक्रियात्मक कमियों को सुधारने का मौका देता है। इसके लिए स्वेच्छा से नियमों का पालन करने को प्रोत्साहित किया जाएगा, बेवजह के कानूनी विवाद कम किए जाएंगे और भरोसे पर आधारित रेगुलेटरी सिस्टम को सपोर्ट किया जाएगा, साथ ही उपभोक्ताओं की सुरक्षा भी मजबूत बनी रहेगी।

सुधार नोटिस सिस्टम पहली बार होने वाली कुछ खास प्रक्रियात्मक और रेगुलेटरी कमियों पर लागू होता है, जिसमें रजिस्ट्रेशन की जरूरतें, डाक्यूमेंटेशन और रिकार्ड रखना, माडल मंजूरी, वजन और माप का निर्माण, बिक्री और मरम्मत, वजन और माप का आयात, लेन-देन और पैक्ड सामान, कानूनी जानकारी और रिटर्न देना आदि हैं।

आर्थिक अनिश्चितता का असर, 7 शहरों में आवासीय बिक्री 6 फीसदी घटी

नई दिल्ली। आर्थिक अनिश्चितता और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण देश के सात प्रमुख शहरों में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान आवासीय बिक्री छह प्रतिशत घटकर 90,715 इकाई रह गई है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी एनाराक द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता में पिछले साल की समान अवधि में 96,285 आवासीय इकाइयां बिकी थीं। एनाराक ने इस तिमाही में मकानों की औसत कीमत में सात प्रतिशत की वृद्धि भी दर्ज की है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में यह वृद्धि सर्वाधिक 13 प्रतिशत रही। एनाराक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि पश्चिमी एशिया युद्ध और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कृत्रिम मेधा से जुड़ी अनिश्चितताओं के चलते कई खरीदार फिलहाल खरीदारी का फैसला टाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब आवासीय मांग मुख्य रूप से प्रीमियम आवास और बुनियादी ढांचा विकास वाले क्षेत्रों तक सीमित हो गई है। हालांकि, इस तिमाही में नई आवासीय परियोजनाओं की पेशकश सात प्रतिशत बढ़कर 1,06,000 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष 98,625 इकाई थी। यह आंकड़ा हाल ही में सूचीबद्ध प्रापइक्विटी की रिपोर्ट के विपरीत है, जिसमें 19 प्रतिशत बिक्री वृद्धि का दावा किया गया था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,45,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बदल रहे माहौल के बीच ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए, जबकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल मामूली तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका और ईरान ने वीकेंड पर एक दूसरे पर नए हमले करने और सीजफायर तोड़ने के आरोप लगाए। हालांकि अब एक बार फिर खबर आ रही है कि दोनों देश हमले रोकने की बात पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों के बीच जारी खींचतान के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में निवेशक लगातार सतर्क मुद्रा में कारोबार करते रहे। निवेशकों की सतर्कता की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान लाल निशान में बंद हुए।

डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 51,876.11 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,354.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.24 प्रतिशत टूट कर 25,297.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 51,923.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,508.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत टूट कर 8,384.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 323.61 अंक यानी 1.31 प्रतिशत फिसल कर 24,671.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 540.88 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 68,820 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत लुढ़क कर 5,859.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 190.89 अंक यानी 2.20 प्रतिशत टूट कर 8,220.32 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 24,104 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 5,196.58 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 472.14 अंक यानी 2.08 प्रतिशत उछल कर 23,144 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स में भी अच्छी मजबूती दिख रही है। फिलहाल यह सूचकांक 1.45 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,564.66 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 494.09 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 45,065.85 के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,034.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

फीफा विश्व कप 2026 : कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार अंतिम–16 में बनाई जगह

स्टापेज टाइम में कप्तान स्टीफन यूस्टाकियो ने गोल कर टीम को दिलाई जीत

इंगलवुड

सह-मेजबान कनाडा ने फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में रविवार को दक्षिण अफ्रीका को 1–0 से हराकर इतिहास रच दिया। कप्तान स्टीफन यूस्टाकियो ने दूसरे हाफ के स्टापेज टाइम में शानदार लंबी दूरी का गोल दागकर अपनी टीम को पहली बार विश्व कप के अंतिम–16 में पहुंचाया। मुकाबला पूरे समय बेहद कड़ा और रोमांचक रहा।

दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। मैच अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी स्टापेज टाइम में यूस्टाकियो ने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शाट लगाकर गेंद को गोलकीपर रानवेन विलियम्स के हाथों से दूर नेट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने बराबरी के लिए अंतिम मिनटों में पूरी ताकत लगा दी, लेकिन कनाडा की रक्षा पंक्ति ने सभी प्रयास विफल कर दिए और टीम ने 1–0 की ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श ने मैच के बाद खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पिछले दो वर्षों की मेहनत और तय रणनीति पर भरोसा रखा, जिसका परिणाम उन्हें इस ऐतिहासिक सफलता के रूप में मिला।

पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। कनाडा को हाफ टाइम से ठीक पहले बढ़त लेने का शानदार मौका मिला, लेकिन मोइज़ बाम्बिटो का हेडर गोल लाइन से साफ कर दिया गया, जबकि ताजोन बुकेनन का प्रयास गोलकीपर विलियम्स ने रोक लिया। इसके बाद रिची लारिया के पेनल्टी की अपील को वीएआर समीक्षा के बाद भी खारिज कर दिया गया।

दूसरे हाफ में कनाडा लगातार आक्रामक रहा। टानी ओलुवासेयी और जोनाथन डेविड भी गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के रक्षकों ने शानदार बचाव किया। आखिरकार स्टापेज टाइम में यूस्टाकियो के विजयी गोल ने मुकाबले का फैसला कर दिया।

अब कनाडा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए 4 जुलाई को ह्यूस्टन में नीदरलैंड्स या मोरक्को में से किसी एक टीम से भिड़ेगा।

संक्षिप्त स्कोर:
कनाडा 1 (स्टीफन यूस्टाकियो) ने दक्षिण अफ्रीका 0 को हराया।

न्यूज़ ब्रीफ

आइसलैंड क्रिकेट ने गंभीर पर कसा तंज, उन्हें कोच बनाने का इरादा नहीं

मुंबई। आइसलैंड क्रिकेट ने आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर कहा कि गंभीर को कोच बनाने का उनका कोई इरादा नहीं है। आइसलैंड क्रिकेट की ये पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। उन्होंने आगे लिखा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ सीरीज हराने जैसा के लिए खास प्रतिभा की आवश्यकता होती है। साथ ही लिखा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि हम गंभीर को अपनी कोचिंग स्टाफ में शामिल नहीं करना चाहते हालांकि, वह बेहद प्रतिभाशाली हैं। उन भारतीय खिलाड़ियों के साथ आयरलैंड में ऐसे परिणाम देना वाकई असाधारण है। यह हार भारतीय टीम के लिए इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसने अभी तीन माह पहले ही टी20 विश्व कप खिताब जीता था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलने आयरलैंड पहुंची थी पर हैरानी की बात ये रही कि टीम को दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। पहला मैच बेलफास्ट में हुआ, जिसमें भारत को 34 रनों से हार मिली। इसके बाद, रविवार को बारिश से प्रभावित दूसरे टी20 में आयरलैंड ने 1 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। दोनों ही मैचों में भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया पर बल्लेबाज पूरी तरह विफल रहे। कप्तान श्रेयस के अलावा संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा भी इस सीरीज में असफल रहे।

विदाई टेस्ट की अंतिम पारी में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे स्टोक्स

क्राइस्टचर्च। इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां खेले जा रहे अपने करियर के अंतिम विदाई मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। इस मैच में इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15 ओवरों में 4 विकेट खोकर 103 रन बना लिए है। अब मैच के पांचवें और आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत दर्ज करने के लिए 270 रनों की जरुरत है। वहीं कीवी को जीत के लिए 6 विकेट लेने हैं। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय अनुभवी जो रूट 9 रन और एमिलियो ने 6 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स इस मैच के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। स्टोक्स ने अपने अंतिम टेस्ट की पारी में यादगार प्रदर्शन किया। स्टोक्स ने पारी शुरु करते हुए केवल 20 गेंदों पर 150 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 30 रन बनाये। अपनी इस आतिशी पारी में इस बल्लेबाज ने 2 शानदार चौके और 2 छक्के लगाये। भले ही स्टोक्स बड़ी पारी नहीं खेल पाए पर ओपनर के तौर पर उतरने के उनके इस साहसिक फैसले और निडर बल्लेबाजी ने मैदान पर मौजूद हर दर्शक को उत्साहित कर दिया। वहीं स्टोक्स के साथ पारी की शुरुआत करने आए बेन डकेट ने भी अच्छी लय दिखाई और 42 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 36 रनों की तेज पारी खेली। इन दोनो ने टीम को 103 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत दी पर इसके बाद न्यूजीलैंड के युवा गेंदबाज जक्री फाल्क्स ने अपनी सटीक गेंदबाजी से इंग्लैंड के मध्यक्रम को ध्वस्त कर रख दिया। न्यूजीलैंड की गेंदबाजी की बात करें तो जक्री फाल्क्स सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने अपने 5.5 ओवरों में 42 रन देकर 3 विकेट झटके।

एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर बार्सिलोना जाना चाहते हैं अल्वारेज़

न्यूजर्सी। अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज अब एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर शीर्ष स्पेनिश क्लब बार्सिलोना जाना चाहते हैं। अर्जेंटीना की फीफा विश्व कप में आस्ट्रिया पर जीत के बाद अल्वारेज ने भी माना है कि वह अब एटलेटिको मैड्रिड से आगे बढ़ना चाहते हैं वह दूसरी ओर एटलेटिको मैड्रिड इसके लिए तैयार नजर नहीं आता । अल्वारेज के अनुसार भविष्य के लिए ट्रांसफर सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मामले में क्लब के अधिकारियों के साथ बात कर रहे हैं। उन्होंने किसी क्लब का नाम नहीं लिया, लेकिन मौजूद जानकारी के अनुसार स्पेनिश दिग्गज बार्सिलोना में खेलने की उनकी इच्छा किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ सप्ताह से बार्सिलोना, पेरिस सेंट जर्मेन और आर्सेनल जैसे बड़े क्लबों का नाम जूलियन अल्वारेज़ के साथ जोड़ा जा रहा था। वहीं, स्पेन की मीडिया में लगातार यह दावा किया जा रहा है कि खिलाड़ी और बार्सिलोना के बीच व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति भी बन चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पांच साल के अनुबंध को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ी है। हालांकि, एटलेटिको मैड्रिड ने इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ कहा है कि जूलियन अल्वारेज बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

ईशान में एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने की भी सभी योग्यताएं : श्रीकांत

चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि आक्रामक सलामी बल्लेबाज ईशान किशन एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। श्रीकांत के अनुसार एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जिस प्रकार का कौशल चाहिये वह इस बल्लेबाज में है पर फिर भी उसे अवसर नहीं मिल रहा। साथ ही कहा कि ये निराशाजन बात है कि एक काबिल खिलाड़ी टीम में जगह हासिल नहीं कर पा रहा। ये एक प्रकार से उसकी प्रतिभा के साथ अन्याय है।

गौरतलब है कि करीब दो साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद, किशन हाल ही में टी20 विश्वकप से टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर के प्रारुप में भी उन्होंने एक अच्छा शतक लगाया है। श्रीकांत के अनुसार उन्हें ईशान के खेलने का अंदाज अच्छा लगता है। इसी को देखते हुए इस पूर्व कप्तान का मानना है कि कि साल 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेल चुके किशन टेस्ट में अवसर मिलने पर भी प्रभावित ही करेंगे। उन्होंने इस बल्लेबाज के खेल की सराहना करते हुए कहा, मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने अचानक वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका खेल पसंद है। उनके स्ट्रोक खेलने का तरीका, टाइमिंग, पावर और आसानी से खेलने की क्षमता सब लाजवाब है। वह सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं पर उन्हें एक प्रारुप तक ही सीमित कर दिया गया है जो भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसान देह रहेगा। गौरतलब है कि साल 2024 में ईशान को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से हटा दिया गया था। तब इसका कारण जानबूझकर घरेलू क्रिकेट नहीं खेलना बताया गया। इसके बाद ईशान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित करते हुए मैदान पर वापसी की। श्रीकांत ने भारतीय क्रिकेट टीम की मौजूदा चयन समिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि समिति घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले कुछ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में मौके देने के मामले में हमेशा अच्छा काम नहीं कर पाई है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें शीर्ष क्रम में बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने के कारण सीमित ओवरों के क्रिकेट में कभी-कभी ही मौके मिलते हैं, जो उनके लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकांत ने जायसवाल की प्रतिभा पर जोर देते हुए कहा, वह सभी फार्मेट में खेलने वाले क्रिकेटर हैं। लेकिन उन्हें सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में ही मौका मिलता है। उन्होंने जायसवाल के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का जिक्र करते हुए बताया, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली सीरीज में भी, उन्होंने एकदिवसय मैचों में से एक में शतक लगाया था। उन्होंने इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसे बड़े टेस्ट खेलने वाले देशों में भी शतक लगाए हैं। मुझे लगता है कि वह टी20 क्रिकेट में भी कमाल के हैं।

महिला क्रिकेट टीम के प्रति भेदभाव का रवैया अब तक नहीं बदला : सना मीर

लाहौर। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मीर ने कहा है कि खराब प्रदर्शन के बाद जिस प्रकार से महिला क्रिकेटरों को निशाना बनाया जाता है, उससे साफ है कि अभी भी उनके खिलाफ भेदभाग बरता जा रहा है। सना के अनुसार क्रिकेट के प्रति दीवानगी के बाद भी प्रशंसकों और आलोचकों द्वारा पुरुष और महिला टीम को लेकर दोहरा रवैय अपनाया जा रहा है। टी20 विश्वकप में पाक के खराब प्रदर्शन से भी प्रशंसक भड़के थे। पाक टीम ने विश्व कप में लगातार चार हार के बाद नीदरलैंड्स पर एकमात्र जीत की है। इस निराशाजनक प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, सना ने सवाल किया कि जब पुरुष टीम खराब प्रदर्शन करती है, तो क्या कोई उनसे घर पर ही रहकर काम करने को कहता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि दोहरा रवैया नहीं चलेगा। खासकर जब पुरुष और महिला टीमों के प्रदर्शन पर चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा, मैं आलोचना के इस लहजे से सहमत नहीं हूं। हां, टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी पर केवल इसलिए कि यह महिला टीम है तो उससे भेदभाव क्यों किया जाये उन्होंने दुख जताया कि इतने सालों बाद भी महिला टीम को वह सम्मान नहीं मिल रहा है, जिसकी वे अधिकारी हैं। उन्होंने ने प्रशंसकों और आलोचकों से कहा कि पेशेसर क्रिकेट अपनाने वाली लड़कियों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उन पर भी ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा कि लड़कियों की क्षमता साबित करने में कई साल लग गए, और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके प्रदर्शन को अभी भी उनके लिंग के आधार पर आंका जा रहा है, न कि क्रिकेट कौशल के आधार पर। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सबसे पहले महिला क्रिकेट के प्रति सामाजिक सोच बदलने की जरूरत है।

यूएस ओपन बैडमिंटन के फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत

फुलर्टन

भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत का यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतने का सपना अधूरा रह गया। पुरुष एकल फाइनल में रविवार को उन्हें चीनी ताइपे के सू ली-यांग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह युवा प्रतिद्वंद्वी की तेज रफ्तार और आक्रामक खेल का जवाब नहीं दे सके। लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में श्रीकांत 15–21, 21–16, 9–21 से पराजित हुए।

33 वर्षीय श्रीकांत इस सत्र का अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। मुकाबले की शुरुआत उन्होंने अच्छी की, लेकिन कुछ अनावश्यक गलतियों का फायदा उठाकर सू ली-यांग ने पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने शानदार नेट प्ले और दमदार स्मैश का प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार बढ़त बनाए रखी और 21–16 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

हालांकि निर्णायक तीसरे गेम में सू ली-यांग ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और लगातार बढ़त बनाते हुए श्रीकांत पर दबाव बनाए रखा। ब्रेक तक उन्होंने चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद श्रीकांत वापसी नहीं कर सके और सू ली-यांग ने मैच जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया।

इस हार के बावजूद श्रीकांत का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में जापान के युदाई ओकिमोटो को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले वर्ष भी वह मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में उपविजेता रहे थे।

एलियट को मैनचेस्टर सिटी ने रिकार्ड कीमत पर अपने साथ जोड़ा

लंदन। ब्रिटेन में मिडफील्डर एलियट एंडरसन प्रीमियर लीग में सबसे महंगे फुटबालर बने हैं। मैनचेस्टर सिटी ने नाटिंघम फारेस्ट के एलियट को 116 मिलियन पाउंड की रिकार्ड कीमत में खरीदा है। ये किसी भी ब्रिटिश खिलाड़ी को मिलनी वाली सबसे महंगी ट्रांसफर फीस है। 23 वर्षीय एलियट ने इसी के साथ ही ही वेस्ट हैम यूनाइटेड से आर्सेनल में 105 मिलियन पाउंड में शामिल हुए फुटबालर डेक्लन राइस का रिकार्ड तोड़ दिया है। इससे साफ है कि प्रीमियर लीग में स्टार खिलाड़ियों को मोटी रकम देने में क्लब पीछे नहीं है। विशेष रुप से स्टार खिलाड़ियों को। दोनों क्लबों के बीच अंतिम सहमति बन चुकी है और एलियट ने भी नाटिंघम फारेस्ट को क्लब छोड़ने की सहमति दे दी है। अब मेडिकल जांच के बाद इस रिकार्ड सौदे की आधिकारिक घोषणा होगी। यह भी कहा जा रहा है कि मैनचेस्टर सिटी ने शुरुआत में एंडरसन के लिए 80 मिलियन पाउंड का प्रस्ताव दिया था पर नाटिंघम फारेस्ट ने उसे अस्वीकार कर दिया था। वहीं पिछले प्रीमियर लीग सत्र में एलियट एंडरसन ने नाटिंघम फारेस्ट के लिए असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी पहचान बनाई। उन्होंने सभी 38 लीग मुकाबले खेले और केवल एक बार ही शुरुआती एकादश से बाहर रहे।

झारखंड की तीन बेटियां भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम में चयनित, इंग्लैंड-स्काटलैंड दौरे पर करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

रांची

झारखंड की महिला हाकी ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। राजधानी रांची स्थित सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस, बरियातू हाकी सेंटर की तीन होनहार खिलाड़ी बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद का चयन भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम में हुआ है। तीनों खिलाड़ी 5 से 14 जुलाई तक होने वाले इंग्लैंड और स्काटलैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम इस दौरे के दौरान कुल सात अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का यह अवसर खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने और अपने खेल को और निखारने का महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है।

बरियातू हाकी सेंटर लंबे समय से झारखंड में महिला हाकी प्रतिभाओं को तैयार करने का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई खिलाड़ी पहले भी भारतीय टीम तक अपनी जगह बना चुकी हैं। एक साथ तीन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन सेंटर की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था, प्रशिक्षकों की मेहनत और खिलाड़ियों के समर्पण का परिणाम माना जा रहा है।

हाकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बरियातू हाकी सेंटर लगातार भारतीय टीम को प्रतिभाशाली खिलाड़ी दे रहा है, जो झारखंड में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं के प्रभावी विकास का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करेंगी। उनके चयन से राज्य के युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और झारखंड में महिला हाकी को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

आमिर जंगू के दोहरे शतक और रोच के 300 टेस्ट विकेट से वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से रौंदा

एंटीगा। वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को पारी और 217 रन के विशाल अंतर से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1–0 की बढ़त बना ली। मैच के चौथे दिन रविवार को वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका की दूसरी पारी केवल 101 रन पर समेट दी।

इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 308 रन बनाए थे। कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने शानदार 120 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि दिनेश चांडीमल ने 54 रन और नुवांडी फर्नांडो ने 84 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जस्टिन ग्रीव्स ने तीन विकेट लिए।

जवाब में वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 626/9 पर पारी घोषित की। विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने करियर का पहला दोहरा शतक लगाते हुए 233 रन बनाए, जबकि कप्तान रोस्टन चेज़ ने 194 रन की शानदार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों की बड़ी पारियों की बदौलत मेजबान टीम ने 318 रन की बढ़त हासिल की।

चौथे दिन श्रीलंका ने 15/1 से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन उसकी शुरुआत बेहद खराब रही। दिन के पहले ही ओवर में केमार रोच ने निशान मदुश्का को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि तीन गेंद बाद जेडन सील्स ने नाइटवाचमैन कासुन राजिथा को स्लिप में कैच कराकर पवेलियन भेज दिया।

कमिंदु मेंडिस और दिनेश चांडीमल ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन कमिंदु मेंडिस शमर जोसेफ की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद पहली पारी में शतक लगाने वाले कप्तान धनंजय डी सिल्वा भी एलबीडब्ल्यू आउट होकर लौट गए। श्रीलंका ने जल्द ही आधी टीम गंवा दी। केमार रोच ने कुसल मेंडिस को भी बोल्ड कर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं। बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका, लेकिन खेल शुरू होते ही वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा।

दोपहर के भोजन के बाद रोच ने लगातार गेंदों पर दिनेश चांडीमल और मिलान रत्नायके के विकेट लेकर मैच पूरी तरह अपने नाम कर लिया। इसके बाद असिता फर्नांडो को बोल्ड कर रोच ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले वेस्टइंडीज के केवल पांचवें गेंदबाज बने।

अंतिम विकेट जेडन सील्स ने लेकर श्रीलंका की पारी समाप्त की और वेस्टइंडीज को कप्तान रोस्टन चेज़ की अगुवाई में पहली टेस्ट जीत दिलाई। दोनों टीमों के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट इसी मैदान पर शुक्रवार से खेला जाएगा।

संक्षिप्त स्कोर:
श्रीलंका: 308 और 101 (दिनेश चांडीमल 43; केमार रोच 4/51)
वेस्टइंडीज: 626/9 घोषित (आमिर जंगू 233, रोस्टन चेज़ 194)
परिणाम: वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से हराया।

बॉस को खुश करना है? यह उपाय करिये फिर देखें चमत्कार

शाम को ऑफिस से लौटते वक्त आप सोचते होंगे कि दिन-रात मेहनत करता रहता हूँ लेकिन बॉस का ध्यान मुझ पर जाता ही नहीं। सुबह ऑफिस आते वक्त आप प्लानिंग करते होंगे कि आज मैं ऐसा करके या वैसा करके बॉस का दिल जीत लूंगा फिर मेरी तरक्की तय है। पर ऑफिस पहुंचते ही पिछले दिन का बचा काम निबटाते निबटाते इतना समय लग जाता होगा कि कुछ नया कर के दिखाने का समय ही नहीं मिलता होगा। कुछ नया कर दिखाने का समय मिलता भी होगा तो कई बार ऐसा भी हो जाता है कि काम आपने किया लेकिन श्रेय कोई और ले गया। इन सब वाकयों से किसी भी व्यक्ति का निराश होना स्वाभाविक ही है। आखिर इंसान का मन अपनी मेहनत का फल चाहता ही है, इंसान अपना अगला दिन पिछले दिन के मुकाबले बेहतर जीना चाहता ही है।

आइए यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स दे रहे हैं जिन पर अमल करके आप बॉस की नजरों में ही नहीं ऑफिस के पूरे स्टाफ की नजरों में भी चढ़ सकते हैं। और यकीन जानिये यदि ऐसा हो गया तो फिर आपकी तरक्की तय है-

समय का प्रबंधन जरूरी

सफलता के लिये यह बेहद जरूरी है कि आप समय को पैसे की तरह खर्च करना सीखें। समय की पाबंदी यदि जीवन में नहीं है तो व्यक्ति किसी भी सूरत में सफल नहीं हो सकता। आपको जो प्रोजेक्ट दिया गया है उसे समय पर ही नहीं समय से पहले ही पूरा करके देंगे तो अच्छा रहेगा। यदि प्रोजेक्ट में ऑफिस के किसी सहयोगी की मदद भी लेनी है तो उसे प्यार से समझाएं, यदि आप आदेश के जरिये काम लेंगे तो वह या तो मन से काम नहीं करेगा या फिर उसमें देर करवायेगा। अपने प्रोजेक्ट को पूरा करने की औपचारिकता निभाने की जगह प्रोजेक्ट में कुछ रचनात्मकता दिखाएंगे तो यकीनन बॉस की नजरों में आप दूसरों से अलग साबित होंगे।

अपडेट रहना जरूरी

आप जिस क्षेत्र में भी नौकरी करते हों उस क्षेत्र की गतिविधियों और नई तकनीक से आपको खुद को अपडेट रखना चाहिए। यदि आप तकनीकी व्यक्ति न होते हुए भी तकनीकी रूप से कुशल हैं तो इससे आपकी योग्यता बढ़ती ही है। अपनी कंपनी को नयी तकनीक से अवगत कराते रहने से आपका कद बढ़ेगा।

चुगलखोरी से बचें

अकसर ऑफिस पॉलिटिक्स की चर्चाएं कार्यालयों में होती रहती हैं जोकि गॉसिप के लिए तो ठीक हैं लेकिन यह किसी भी कार्यालय का माहौल बिगाड़ती हैं। यदि आपने आज किसी की चुगली बॉस से की है तो वह भी समय आने पर आपकी चुगली कर सकता है और यदि वह समय आपकी तरक्की होने का हुआ तो यह आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है।

ऑफिस में गप्पेबाजी से बचें

हालांकि निजी कंपनियों में यह कम ही देखने को मिलता है कि कर्मचारी आपस में गप्पेबाजी कर रहे हों लेकिन फिर भी यदि आपके ऑफिस में ऐसा माहौल है तो उस माहौल से खुद को दूर करें। घर की बात ऑफिस में सबके साथ शेयर नहीं करें क्योंकि आपके सामने भले कोई आपकी किसी समस्या से सहानुभूति दर्शाए लेकिन पीछे से वह उस समस्या के लिए आपका मजाक भी उड़ा सकता है।

सोशल मीडिया से बचें

वर्किंग ऑवर में ऑफिस के पीसी या लैपटॉप पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करें और ना ही मूवी आदि देखें। मोबाइल फोन पर भी व्हाटसएप पर चैट करते रहने, सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहने या फिर ऑनलाइन गेम खेलते रहने से आप कंपनी की ब्लैक लिस्ट में शामिल हो जाएंगे। आपको भले लगे कि आपको मोबाइल पर सोशल मीडिया का उपयोग करते किसी ने नहीं देखा है लेकिन हो सकता है कि कोई आपकी पोस्टस पर नजर रख रहा हो और उसमें पोस्टिंग टाइम से पता चल जायेगा कि आप ऑफिस का काम कर रहे थे या सोशल मीडिया पर थे।

पहनावा ठीक हो

ऑफिस में फॉर्मेल कपड़ों में ही जाएं तो ठीक रहेगा। कैजुअल कपड़े आकर्षक तो लगते हैं लेकिन वह कार्यालय की शोभा नहीं बढ़ाते। चुस्त कपड़ों को पहनने से बचें और ज्यादा डियो आदि लगा कर नहीं घूमें। इसके अलावा आप जहां भी बैठ कर कार्य करते हैं उस स्थान की साफ सफाई और साज सज्जा पर भी ध्यान दें ताकि लोगों की नजरें खुद ही उस ओर आकर्षित हों।

आपके विचार

हर व्यक्ति की अपनी अलग धार्मिक आस्था या राजनीतिक विचार होते हैं इसलिए उसे किसी पर थोपने या उस पर किसी से बहस में उलझने की बजाय अच्छा है कि आप अपने विचार अपने पास ही रखें। हमेशा सभी के साथ सकारात्मक संवाद करें और चर्चाओं के दौरान अपने नये आइडिया को शेयर कर लोगों को प्रभावित करें।

सहयोग करें

ऑफिस के अन्य कर्मचारियों के साथ सदैव सहयोगात्मक रवैया रखें। जूनियर को ज्यादा से ज्यादा सिखाएं और सीनियर का ज्यादा से ज्यादा कहना मानेंगे तो बड़ी जिम्मेदारियों के लिए आपको ही आगे किया जायेगा। ऑफिस के लोगों से उधार आदि मांग कर अपनी छवि नहीं खराब करें। यदि आपको पैसे की जरूरत है तो कंपनी से एडवांस आदि की मांग करें।

ऑफिस में घर नहीं

घरवालों या रिश्तेदारों या फिर दोस्तों को अकसर ऑफिस में नहीं बुलाया करें क्योंकि इससे एक तो आपका कार्यसमय बर्बाद होता है तथा दूसरे लोगों का भी ध्यान भंग होता है।

संपर्कों का इस्तेमाल

अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर अपनी कंपनी को लाभ पहुँचाएं और जिस कार्य के लिए आपकी नियुक्ति की गयी है उस कार्य को तो निपुणता के साथ करें ही साथ ही अन्य कार्य भी करेंगे तो कंपनी आप पर और निर्भर होती जायेगी और आपको खुश करना चाहेगी। और आखिर में, यही कहा जा सकता है कि बॉस सब जानते हैं लेकिन तब तक कुछ नहीं करते जब तक वह मजबूर न हो जाएं इसलिए उक्त सुझावों पर आप गौर करें और इन्हें आजमाएं फिर देखें आपके बॉस भी आप पर विशेष कृपा करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

पुरानी जींस से बनाएं क्रिएटीव चीजें

घर की सफाई करते समय घर में कई पुरानी चाजें मिलती हैं। जिसे लोग बाहर फैंक देते हैं। इसे फैंकने की बजाएं इसका इस्तेमाल घर की कई क्रिएटिव चीजें बनाने में कर सकते हैं जैसे- कुशन कवर,बैग और फुटवियर। आइए जाने कैसे करें इस्तेमाल।

1. कुशन कवर बनाएं

अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है तो उससे आप कुशन कवर बना सकते हैं। इससे घर को अट्रेक्टिव लुक मिलेगा।

2. बैग बनाएं

मार्केट से कई जींस बैग खरीदें होंगे लेकिन अपनी पुरानी जींस से इसे घर पर ही बना सकते हैं। इस पर किसी पुराने बैग के हैंडल भी लगा सकते हैं।

3. बेड कवर

अगर आप अपने बेडरुम को कोई अट्रेक्टिव लुक देना चाहते हैं तो इसे अगल-अगल कलर की पुरानी जींस को जोड़ कर बनाएं।

4. होम डैकर

पेन स्टैंड, डोर मैट, टेबल मैट, फ्लोर कुशन्स और चेयर कवर बनाने के लिए जींस को इनकी शेप के हिसाब से काटे और स्टिच कर लें।

5. फुटवेयर सजाएं

आप फ्लिप-फ्लॉप, चप्पल्स और कैनवस को पुरानी जींस के कपड़े से न्यू लुक दे सकते हैं। जींस की पतली स्ट्रैप को काटकर उसे फिल्प-फ्लॉप और चप्पल के ऊपर लगाएं।

मौज मस्ती के फायदे

मौज-मस्ती करना किसको पंसद नहीं होता है, उस पर अगर ये आपके सेहत को लाभ पहुचाएं तो ये सोने पर सुहागा जैसा हो जाता है। जी हां, मौज मस्ती करना आपकी सेहत के लिए लाभदायक होता है। भागदौड़ भरी जिंदगी में मौज मस्ती करने पल वैसे ही कम होते है। लेकिन जब आप इस मूड में रहते तो ये आपके मानसिक स्वास्थ्य को आराम देता है। ये आपके शरीर के खुश रहने वाले रसायनों की क्रिया को बढ़ाते है।

खुशी वाले रसायन

ऑक्सीटोसिन, सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे पॉजीटिव हार्मोन हमारे शरीर को खुशी का अहसास दिलाते है। मौज मस्ती जैसी गतिविधियों से इनके उत्पादन में बढ़ोत्तरी होती है। ये तनाव व अवसाद आदि से भी बचाव करती है, साथ ही दिमाग को भी सक्रिय करते है। अपने परिवार, दोस्त व पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताएं।

नर्व सेल्स एक्टिव

आप जिन लोगो के साथ मौज मस्ती करते है तो पक्का ही आप को उनका साथ अच्छा लगता है। ये खुशी आपके लिए सेहतमंद होती है। इससे आपके दिमाग की 100 मिलियन नर्व सेल्स एक्टिव होती हैं। दिमाग में मौजूद न्यूरॉन्स के एक दूसरे से कनेक्ट होने पर आप तनाव मुक्त और आराम महसूस करते हैं।

सफेद पदार्थ बढ़ाने में सहायक

सफेद पदार्थ दिमाग की गहरी परतों में पाया जाता है। ये न्यूरॉन्स के साथ मिलकर दिमाग में नर्व सिग्नल्स के प्रसारण को बेहतर करता है। यानि इसके बढ़ने से आप ज्यादा एक्टिव और स्मार्ट नजर आ सकते हैं। आप जब कुछ नई गतिविधि में शामिल होते हैं, तो आपके सारे सेंस एक्टिव होते हैं।

स्वस्थ रखने में सहायक

हर समय कुछ नया करते रहने से दिमाग क्रियाशील रहता है। जिससे अवसाद होने का खतरा कम रहता है। शारीरिक और मानसिक एक्टिविटी की कमी के कारण एक उम्र में आपकी नर्व सेल्स सफेद पदार्थ से जुड़ने से रुक सकती है। अगर आपके दिमाग में सफेद पदार्थ बढ़ता है, तो इससे बुढ़ापें में आप अल्जाइमर और मानसिक डिसऑर्डर जैसी बीमारियों से बच सकते हैं।

ट्रैवलिंग के वक्त यूं पैक करें अपनी जूलरी

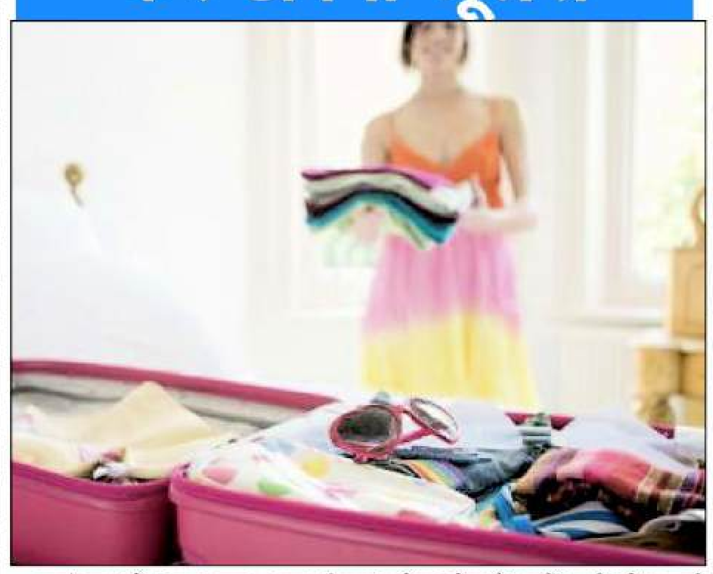

जहां एक ओर यात्रा करना, घूमना-फिरना मजेदार होता है। वहीं दूसरी ओर जूलरी की पैकिंग करना बोझिल मालूम पड़ सकता है। ऐसे में जूलरी ब्रैंड एनटाइस की क्रिएटिव डायरेक्टर मंजू कोठारी और मिनावाला के क्रिएटिव डायरेक्टर शहजाद जावेरी ने ट्रैवलिंग के दौरान जूलरी की सुरक्षित पैकिंग के संबंध में कई सुझाव दिए हैं।

» प्लास्टिक के डिस्पोजेबल पाउच ईयर रिंग्स रखने के काम में आ सकते हैं। प्लास्टिक पाउच में लपेटकर उन्हें यात्रा के दौरान आसानी से ले जाया जा सकता है।

» छोटे ईयर रिंग्स को बटन में हैंग किया जा सकता है और फिर इन्हें छोटे बॉक्स या पाउच में रख लें।

» गले के हार या चेन को टूटने या मुड़ने से बचाने के लिए आप इन्हें स्ट्रॉ के बीच में रख सकती हैं, इससे ये सुरक्षित रहेंगे।

» आप चाहें तो मुलायम बेबी टॉवेल में भी सुरक्षित रूप से जूलरी को लपेटकर रख सकती हैं और तौलिए के आखिरी सिरे को बालों के बैंड से बांध लें।

» छोटी जूलरी जैसे ईयर रिंग और पेंडेंट को रखने के लिए आप टिन कंटेनर के बीच में कॉटन बॉल्स रखकर उसके ऊपर इन आभूषणों को रख सकती हैं, इससे ये सुरक्षित रहेंगे।

» आप मोजे में भी आभूषण पैक कर ट्रैवेल बैग में रख सकती हैं।

वजन के हिसाब से पीएंगे पानी तो हमेशा रहेंगे हैल्दी!

पानी पीना सेहत के लिए बहुत जरूरी है। हम लोग अक्सर सुनते हैं कि नियमित रूप से 2 लीटर पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। सही मात्रा में पानी पीने से मेटाबॉलिज्म भी अच्छा रहता है। जिससे वजन कंट्रोल में रहता है। कुछ लोग यह जान नहीं पाते कि उनके लिए कितना पानी पीना है। जरूरत से कम पानी पाने से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते और ज्यादा पानी पीने से जरूरी पोषक तत्वों पर भी बुरा असर पड़ता है।

वजन के हिसाब से पीए पानी

यह जरूरी नहीं कि हर किसी को दिन में 2 लीटर पानी ही पीना चाहिए। पानी की मात्रा आपके वजन पर निर्भर करती है। इसके लिए जरूरी है कि पहले अपने वजन की पुष्टि कर लें। 50 किलों और 70 किलो वाले वजन के लोगों कि पानी पाने की जरूरत अलग-अलग होती है।

इस तरह पीएं पानी

अपने सही वजन को 30 के साथ विभाजन करें। जैसे 60/30 = 2 यह पानी पीने की सही मात्रा है। 60 किलों वाले व्यक्ति को 2 लीटर पानी की जरूरत होती है। यह मात्रा भार के हिसाल से घटती बढ़ती रहती है। आपके काम के हिसाब से भी पानी की मात्रा बढ़ या घट सकती है।

एक्सरसाइज के वक्त पीएं ज्यादा पानी

ज्यादा वर्कआउट करने वाले लोगों को पानी की भी ज्यादा जरूरत होती है। इससे बॉडी में से पसीना बहुत ज्यादा निकलता है, ऐसे में पानी की कमी को रोकने के लिए थोड़े-थोड़े समय बाद पानी पीते रहे। पानी की जगह पर आप एनर्जी ड्रिंक,जूस,नींबू पानी और लस्सी का सेवन भी कर सकते हैं।

बारिश के मौसम में बच्चों का ऐसे रखें ख्याल

नहीं होगी कोई बीमारी

यूं तो बच्चों के लिए बारिश का मौसम और मानसून खूब सारी मस्ती लेकर आता है, लेकिन इस मौसम में बीमारियां भी काफी बढ़ती हैं. इस मौसम में बच्चों की सेहत का खास तौर पर ख्याल रखना होता है. बारिश का सीजन में बच्चे कई सारी बीमारियों को न्यौता देते हैं, ऐसे में वो बीमार [illegible] रखें.

साफ पानी से धोएं खाद्य प[illegible]

[illegible] मौसम में जमीन में रहने वाले ज्यादातर कीड़े सतह पर आ जाते हैं, जो फल, [illegible] और खाद्य पदार्थों को दूषित करते हैं. इसलिए किसी भी फल और सब्जियों को खाने से पहले साफ पानी से अच्छे से धोएं और अगर जरूरत हो तो बीमारी [illegible] के लिए पोटेशियम परमैंगनेट का प्रयोग किया जा सकता है.

[illegible]बला हुआ पानी पिलाएं

[illegible]बरसात में पानी के वजह से [illegible] होता है. बच्चों को उबला [illegible] पिलाएं और खुद भी यही पिए. साफ-सफाई का खास तौर पर ध्यान [illegible] मच्छरों से बचने के लिए घर और आस-पास [illegible] न होने दें और जर्मस रिपेलेंट लिक्विड का इस्तेमाल करें.

समस्या होने पर डॉक्टर की सलाह लें

बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है और बीमारियां उनपर जल्दी अटैक करती हैं. तो इस मौसम में बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई [illegible] तुरंत डॉक्टर की सलाह लें. बारिश में बीमारियों से बचाने के लिए बच्चों को ग[illegible] दूर रखें.

बच्चों को भींगने से बचाएं

बारिश में बच्चों को भीगने न दें. अगर वे स्कूल से [illegible] वक[illegible] तुरंत उन्हें साफ पानी से नहालाएं और हीटर या आग से सर्दी [illegible] दूर [illegible] के शरीर की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें. साथ ही उनके खेलने की जग[illegible] साफ रखें.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)